RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

सीवर-पानी का करें, खुलकर सभी प्रयोग।
लेकिन बिल भरते समय, कन्नी काटें लोग।
कन्नी काटें लोग, यूज तो जमकर करते।
मगर समय से नहीं, कभी ये बिल-विल भरते।
कह साहिल कविराय, करें हैं आनाकानी।
फिर सब धरने लगा, मांगते सीवर-पानी।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 179 | WEDNESDAY DATE 22-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

लाल डोरा की संपत्तियों का बन रहा डिजिटल रिकॉर्ड, सीएम रेखा गुप्ता ने की समीक्षा बैठक

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 जुलाई**

दिल्ली सरकार राजधानी के लाल डोरा और आबादी गांवों के निवासियों को उनकी संपत्तियों का आधुनिक, पारदर्शी और सुरक्षित डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में 'स्वामित्व' (सर्वे ऑफ विलेज एंड मैपिंग विद इंप्रोवाज्ड टेक्नोलॉजी इन विलेज एरिया) योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस योजना के तहत व्यापक सर्वेक्षण, डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने और स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने का कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षों से लाल डोरा क्षेत्रों में संपत्तियों का व्यवस्थित और प्रमाणिक रिकॉर्ड उपलब्ध न होने के कारण लोगों को अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब दिल्ली सरकार आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रत्येक संपत्ति की स्पष्ट पहचान सुनिश्चित कर रही है, जिससे भविष्य में रिकॉर्ड अधिक

पारदर्शी, सुरक्षित और व्यवस्थित होगा। दिल्ली सरकार जल्द ही पात्र लोगों को स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने जा रही है। इसको लेकर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सरकार का मानना है कि स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड ग्रामीण क्षेत्रों के हित और भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि वर्तमान में 48 गांवों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग के साथ हुए समझौते के तहत योजना में शामिल किया गया है। इनमें से 30 गांवों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और उनके अंतिम प्रॉपर्टी कार्ड तैयार किए जा चुके हैं। अब इन कार्डों में डिजिटल हस्ताक्षर जोड़ने और स्मार्ट कार्ड जारी करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया कि अब तक 12,232 संपत्तियों (पॉलीगॉन) का सर्वेक्षण किया जा चुका है। इनमें से 8,423 संपत्तियां विवाद-मुक्त हैं, जो कुल सर्वेक्षित संपत्तियों का लगभग 69 प्रतिशत हैं और इनके स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

दक्षिण और उत्तर-पश्चिम जिले में सर्वे की गई सभी संपत्तियां विवाद-मुक्त हैं, जबकि अन्य जिलों में भी विवादों के समाधान के साथ आगे की प्रक्रिया जारी है।

संक्षिप्त खबरें

वांगचुक के स्वास्थ्य मानक स्थिर : मेडिकल बुलेटिन

दिल्ली, यूटर्न/ 21 जुलाई । सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के जरूरी स्वास्थ्य मानक फिलहाल स्थिर हैं, लेकिन लंबे समय तक उपवास के कारण उन्हें डिहाइड्रेशन, कम ब्लड शुगर और पोटेशियम का स्तर कम होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बार-बार मेडिकल सलाह के बावजूद वे अभी भी नसों के जरिए तरल पदार्थ लेने से इनकार कर रहे हैं लेकिन उन्हें ओआरएस और पोटैशियम की पूरक खुराक दी जा रही है। वह दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में कड़ी मेडिकल निगरानी में हैं।

संसद में रणनीति पर विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक

दिल्ली, यूटर्न/ 21 जुलाई । संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले मंगलवार को संसद भवन परिसर में कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक हुई, जिसमें सदन के भीतर सरकार को घेरने की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल, महासचिव जयराम रमेश, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रमोद तिवारी, गौरव गोगोई तथा इमरान प्रतापगढ़ी सहित कई नेता शामिल हुए। बैठक में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद) की सुप्रिया सुले, समाजवादी पार्टी के प्रो. रामगोपाल यादव, द्रविड़ मुनेत्र कषगम के टी. आर. बालू, शिवसेना (उद्धव) के अरविंद सावंत, आरएसपी के एन. के. प्रेमचंद्रन, राष्ट्रीय जनता दल के मनोज झा, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जॉन ब्रिटास, तृणमूल कांग्रेस के साकेत गोखले और महुआ मोइत्रा सहित कई नेता मौजूद रहे।

जंतर-मंतर पहुंचे विपक्षी नेता, छात्रों के आंदोलन को दिया समर्थन

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 21 जुलाई । केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में जंतर-मंतर पर जारी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजीपी) के आंदोलन को मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी -एसपी और शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं का समर्थन मिला। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जंतर-मंतर पहुंचकर उन घायल छात्र-युवा प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की, जो पुलिस कार्रवाई में चोटिल होने के बावजूद आंदोलन जारी रखने के लिए वापस धरनास्थल पर पहुंचे थे। श्री केजरीवाल ने कहा कि इन युवाओं का संकल्प इस सरकार के खिलाफ उनके संघर्ष को दर्शाता है और कठिन समय में युवाओं के साथ खड़ा होना आवश्यक है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सांसद शरद पवार ने भी जंतर-मंतर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों का हालचाल जाना। उन्होंने रविवार को दिल्ली पुलिस द्वारा की गयी कथित बल प्रयोग की घटना के बाद आंदोलनकारी छात्रों से मुलाकात कर उनका समर्थन किया।

जंतर-मंतर लाठीचार्ज पर छात्रों को कानूनी और मेडिकल सहायता देगी आप : केजरीवाल

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 21 जुलाई । आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कथित लाठीचार्ज और उसके बाद छात्रों पर दर्ज मामलों को लेकर मंगलवार को केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। श्री केजरीवाल ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने अत्यधिक बल प्रयोग किया। सोशल मीडिया पर सामने आये वीडियो में छात्र-छात्राएं हाथ जोड़कर गुहार लगाते दिखाई दे रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन पर लाठीचार्ज किया गया। उन्होंने दावा किया कि कई छात्रों के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज किये गये हैं और कुछ छात्रों के परिजनों को उनके बारे में जानकारी नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी प्रभावित छात्रों और उनके परिवारों को कानूनी तथा मेडिकल सहायता उपलब्ध करायेगी। इसके लिए 8588833548 हेल्पलाइन नंबर जारी करते हुए छात्रों से जरूरत पड़ने पर संपर्क करने की अपील की गयी है।

सीजेपी प्रदर्शन के दौरान 118 पुलिसकर्मी घायल

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 21 जुलाई । राष्ट्रीय राजधानी में 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान कई वरिष्ठ अधिकारियों सहित 118 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। दिल्ली पुलिस की ओर से मंगलवार को जारी एक बयान के अनुसार, सोमवार को झड़पों के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया, पुलिसकर्मियों पर हमला किया, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाया और 15 से 20 सरकारी वाहनों में तोड़फोड़ की। पुलिस ने बताया कि घटना में करीब 60 प्रदर्शनकारी भी घायल हुए हैं, जबकि कुछ घायल पुलिसकर्मियों की चिकित्सा जांच अभी जारी है। बयान में कहा गया कि घायलों में विशेष आयुक्त, संयुक्त आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त, उपायुक्त, अतिरिक्त उपायुक्त और सहायक उपायुक्त के अधिकारियों के साथ-साथ कई महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

पेपर लीक मामले में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : मोदी

प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता सबकी साझा जिम्मेदारी

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 21 जुलाई ।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परीक्षा प्रश्न-पत्रों के लीक होने की घटनाओं को राष्ट्रीय चिंता का विषय बताते हुए मंगलवार को कहा कि हाल में राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) में सामने आये प्रश्न-पत्र लीक के मामले में लिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

श्री मोदी ने परीक्षाओं के प्रश्न-पत्र होने की घटनाओं को राष्ट्रीय चिंता का विषय बताया और कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की पवित्रता और विश्वसनीयता बनाए रखना सभी की साझा जिम्मेदारी है, जिसके लिए त्वरित और समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। श्री मोदी संसद के मानसून सत्र के दौरान आज सुबह सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सांसदों के साथ 'मंगल मिलन' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने यह बात ऐसे समय कही है जबकि प्रश्न-पत्र लीक होने के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के चलते मानसून सत्र में पहले

दो दिन कोई काम काज नहीं हो सका। इस मुद्दे पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सोमवार को राजधानी में एक जोरदार विरोध प्रदर्शन भी आयोजित किया गया था। संसद भवन की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए पुलिस बलों ने लाठी-चार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। इस दौरान झड़पों में कई प्रदर्शनकारी और पुलिसकर्मी घायल हो गये। राजग सांसदों की बैठक में प्रधानमंत्री के संबोधन की जानकारी संवादाताओं को संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने दी। श्री रिजिजू के अनुसार प्रधानमंत्री ने बैठक में इस बात का उल्लेख किया कि पेपर लीक सामने आने के तुरंत बाद सरकार ने तेजी से कदम उठाए, तेरह लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया और छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए शीघ्र पुनः परीक्षा आयोजित की गई। श्री रिजिजू ने बताया कि प्रधानमंत्री ने दोषियों को सबसे कड़ी सजा देने पर जोर दिया है और कहा है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकना देश के लिए अत्यंत आवश्यक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए पूरी तरह सुरक्षित और त्रुटिरहित परीक्षा प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। सरकार का कहना है कि उसका उद्देश्य छात्रों के सपनों की रक्षा करना, परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करना और राष्ट्रीय संस्थाओं पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की शुचिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना सबकी साझा जिम्मेदारी है।

पेपर लीक के खिलाफ राज्य सरकारों और सभी दलों को मिलकर लड़ना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने राजग सांसदों से युवाओं के साथ लगातार संवाद बनाए रखने का आग्रह करते हुए उन्हें यह भरोसा दिलाने का आ'न किया कि सरकार देश के युवाओं के हितों के संरक्षण-संवर्धन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पीएम आवास के बाहर धरना दे रहे विपक्षी नेताओं को पुलिस ने हटाया

राहुल बोले-जोर आजमा लो, लड़ाई नहीं रुकेगी

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 21 जुलाई । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के बाहर धरना दे रहे लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और कई सांसदों को पुलिस ने हटा दिया है। इसके बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, हर जोर आजमा लो, सारी ताकत लगा लो-छात्रों के इंसाफ की ये लड़ाई अब रोके न रुकेगी। ये नेता जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज के विरोध में लोक कल्याण मार्ग की ओर मार्च कर रहे थे। राहुल गांधी काफी देर तक सड़क पर ही डटे रहे और हटने से इनकार कर दिया। उन्हें कई पुलिसकर्मियों ने घेर लिया और फिर विपक्ष के दूसरे नेताओं के साथ पुलिस की गाड़ी में ले जाया गया। यह विरोध प्रदर्शन संसद तक

छात्रों के मार्च में पुलिस के दखल के एक दिन बाद हुआ। इससे पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने खड़गे के घर से प्रधानमंत्री के आवास तक पार्टी कार्यकर्ताओं का नेतृत्व किया और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष के अभियान को तेज किया। हिरासत में लिए जाने से पहले राहुल ने लोगों से धरने में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला है और सरकार पर छात्रों की चिंताओं का जवाब न देने का आरोप लगाया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बहराइच में 352 करोड़ की 70 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

» **बहराइच, यूटर्न/ 21 जुलाई ।**

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बहराइच के महसी विधानसभा क्षेत्र स्थित तेजवापुर के बेड़नापुर रामलीला मैदान से 352 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 70 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने न तो बहराइच के विकास पर ध्यान दिया और न ही प्रदेश के गौरवशाली इतिहास और महापुरुषों को सम्मान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत को भी समान महत्व दे रही है।

जनसभा को संबोधित करते हुए

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सरकारों ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानी महाराजा बलभद्र सिंह चहलारी और महाराजा सुहेलदेव जैसे वीरों की उपेक्षा की। योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि इन दलों का एजेंडा केवल परिवारवाद और सत्ता तक सीमित रहा।

पीएम आवास के बाहर प्रदर्शन, राहुल गांधी से केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने की बातचीत

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 जुलाई ।

जंतर-मंतर पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के सोमवार को संसद मार्च में शामिल हुए छात्रों पर दिल्ली पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। इसके विरोध में मंगलवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में सांसदों ने प्रधानमंत्री आवास के पास धरना दिया। विपक्षी सांसदों के इस विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मिलने पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच कुछ देर तक बातचीत हुई। बताया जाता है कि केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने राहुल गांधी से विरोध-प्रदर्शन समाप्त करने की अपील की। पीएम आवास के पास हो रहे विरोध प्रदर्शन में राहुल गांधी के साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य सांसद मौजूद थे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित अन्य सांसदों ने जमीन पर बैठकर प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री का इस्तीफा मांगा।

इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। इससे पहले राहुल गांधी ने कहा, 'हमने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर संसद में छात्रों के मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की थी। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि इस पर चर्चा कराने के लिए उन्हें सरकार से अनुमति लेनी होगी।

एंबुलेंस बनाकर चला रहे थे गांजा तस्करी का नेटवर्क, 64 किलो गांजा और एंबुलेंस बरामद

» नोएडा, यूटर्न/ 21 जुलाई ।

गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। थाना फेस-1 पुलिस और नार्कोटिक्स सेल की संयुक्त कार्रवाई में एक एंबुलेंस से 64 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 13 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त बिना नंबर प्लेट की मारुति इको एंबुलेंस भी कब्जे में ले ली है।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 21 जुलाई 2026 को मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर की गई। पुलिस टीम ने झुंडपुरा बॉर्डर के पास से आरोपी ओमवीर सिंह को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान ओमवीर सिंह पुत्र श्याम लाल, निवासी ग्राम नागर, थाना अछनेरा, जनपद आगरा, उम्र लगभग 48 वर्ष के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि आरोपी ने एंबुलेंस को बेहद शातिर तरीके से मॉडिफाई कर रखा था। जिस स्थान पर सामान्य रूप से मरीज को लिटाया जाता है, उसके नीचे एक खुफिया चैंबर बनाया गया था।

इसके अलावा तीमारदार के बैठने वाली सीट के नीचे भी विशेष जगह तैयार की गई थी, जहां बड़ी मात्रा में गांजा छिपाकर रखा जाता था। इस व्यवस्था के कारण बाहर से देखने पर किसी को भी एंबुलेंस पर शक नहीं होता था। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह उड़ीसा (ओडिशा) से विशेष किस्म का गांजा लाकर दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करता था। इस गांजे की बाजार में काफी मांग है। आरोपी एंबुलेंस का इस्तेमाल इसलिए करता था क्योंकि एंबुलेंस को आमतौर पर टोल प्लाजा और पुलिस चेकिंग के दौरान प्राथमिकता मिलती है और उसे कम ही रोका जाता है। इसी का फायदा उठाकर वह बड़ी मात्रा में गांजा आसानी से एक राज्य से दूसरे राज्य तक पहुंचा देता था।

आरोपी से पता चला है कि दिल्ली पहुंचने के बाद गांजे को छोटे-छोटे पैकेटों में तैयार कर स्थानीय स्तर पर सप्लाई किया जाता था। इस अवैध कारोबार से होने वाले मुनाफे का इस्तेमाल वह अपने शौक और ऐशो-आराम की जिंदगी पर करता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में थाना फेस-1 पर मामला दर्ज कर लिया है।

बरामदगी में 64 किलोग्राम गांजा और तस्करी में इस्तेमाल इको एंबुलेंस शामिल है। गौतमबुद्ध नगर पुलिस अब इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस गिरोह का संबंध किन-किन राज्यों और किन स्थानीय सप्लायरों से था।

थानेसर मंडल के सभी शक्ति केदो पर टिफिन बैठकों का हुआ आयोजन

परमिंदर सिंह / कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 21 जुलाई । राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी, माननीय मुख्यमंत्री नायब सैनी जी व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता द्वारा प्रदेश स्तर पर किए गए टिफिन बैठक आयोजन के आ'न पर आज थानेसर मंडल के सभी शक्तिकेंद्रो पर टिफिन बैठको का आयोजन किया गया। इन बैठको में सभी कार्यकर्ताओं से आत्मीय परिचय के साथ-साथ डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म को एक बूथ कार्यकर्ताओं तक पहुंचाने व बूथ समिति के गठन, बूथ स्तर पर आयोजित होने वाले सात प्रमुख कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा तथा प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को मन की बात कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर शक्ति केंद्र प्रभारी शक्ति केंद्र प्रमुख, बूथ अध्यक्ष, बी एल2, पालक व पन्ना प्रमुख के साथ साथ मंडल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता टिफिन बैठको के आयोजन में उपस्थित रहे।

कुरुक्षेत्र में भारत विकास परिषद ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 21 जुलाई । भारत विकास परिषद की कुरुक्षेत्र शाखा द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए आज गुलजारीलाल नंदा स्मारक स्थल पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अभियान में नीम, पीपल, बरगद, जामुन और गुलमोहर जैसे पर्यावरण के अनुकूल पौधे लगाए गए। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि और परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा विधिवत पौधारोपण के साथ हुई। इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष जय प्रकाश पंवार ने कहा कि वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याओं से निपटने के लिए वृक्षारोपण ही एकमात्र प्रभावी उपाय है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का आ'ान किया। परिषद के सदस्यों ने न केवल पौधे रोपे, बल्कि उनकी सुरक्षा के लिए ट्री-गार्ड लगाने और नियमित रूप से पानी देने का दायित्व भी लिया। इस पुनीत कार्य में स्थानीय निवासियों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को पर्यावरण को स्वच्छ रखने और पॉलीथिन का उपयोग न करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर स्मारक की डायरेक्टर शुचिस्मिता, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय धरोहर के क्यूरेटर कुलदीप, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष जय प्रकाश पंवार, पूर्व अध्यक्ष विजयंत बिंदल एवं कार्यक्रम संयोजक रमेश तिलक गुलाटी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अधिवक्ता लाजपत राय को भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर स्वागत करने पहुंचे : गुरुजी चंदेल

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा दिल्ली प्रदेश के पद पर अधिवक्ता लाजपत राय को अध्यक्ष बनाए जाने पर आज उन्हें गुरु जी राजू चंदेल शुभकामना देने पहुंचे उन्होंने अधिवक्ता लाजपत राय को अंग वस्त्र गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया . इस मौके पर हेमंत धनवाड़िया, रिपु दमन राठौर, गौरव असोलिया, सुमेश लिलोठिया, मोतीलाल, दक्षिण दिल्ली से चंद्रपाल जी सहित सैकड़ो गण मान्य उनके समर्थक और साथ ही उन्हें मुबारकबाद देने पहुंचे. इस मौके पर

गुरुजी राजू चंदेल ने बोलते हुए कहा की हमारे अनुसूचित जाति समाज के सबसे काबिल व्यक्ति समझदार अधिवक्ता लाजपत राय जी हैं आज उन्होंने अपनी मेहनत और काबिलियत के बल पर संगठन को बड़ी ऊंचाइयों पर लेकर गए हैं उन्होंने दिन-रात भारतीय जनता पार्टी के लिए कार्य किया है और अनुसूचित जाति समाज के लोगों को बड़ी तादाद में पार्टी में शामिल किया है आज उसी की बदौलत है भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें दिल्ली प्रदेश भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का अध्यक्ष बनाया है आज हमें और हमारे अनुसूचित जाति समाज के वर्ग में इस बात को लेकर बड़ी खुशी की लहर चारों तरफ दौड़ रही है.

10 लाख रुपए की स्मैक के साथ 19 वर्षीय युवती गिरफ्तार

» नोएडा, यूटर्न/ 21 जुलाई ।

गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना फेस-1 पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 280 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक युवती को गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी युवती के कब्जे से स्मैक की बिक्री से प्राप्त 4,200 रुपए नकद भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई 20 जुलाई को लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर की गई। थाना फेस-1 पुलिस टीम ने सेक्टर-8 क्षेत्र में घेराबंदी कर अफसाना उर्फ बेबी नामक युवती को गिरफ्तार किया।

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार युवती पहले से वांछित चल रही आरोपी नूरी की भतीजी है और उसी के निर्देश पर नशे के कारोबार में शामिल होकर स्मैक की सप्लाई और बिक्री कर रही थी। पूछताछ के दौरान अफसाना उर्फ बेबी ने पुलिस को बताया कि उसकी बुआ नूरी उसे स्मैक उपलब्ध कराती थी। वह स्मैक की छोटी-छोटी पुड़ियां तैयार कर नोएडा के झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों और फैक्ट्री एरिया में जाकर बेचती थी।

पुलिस का मानना है कि आरोपी लंबे समय से इस अवैध धंधे में सक्रिय थी और स्थानीय स्तर पर नशे की सप्लाई का काम कर रही थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अफसाना उर्फ बेबी पुत्री सिकंदर, निवासी जेजे कॉलोनी, सेक्टर-9, थाना फेस-1, गौतमबुद्ध नगर के रूप में हुई है। उसकी उम्र लगभग 19 वर्ष बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार महिला को टक्कर मारी, घायल

लोनी, यूटर्न/ 21 जुलाई । तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बंथला चिरोड़ी मार्ग पर निठौरा गेट के सामने एक बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जबकि बाइक चला रहा युवक को मामूली चोट आई। महिला नगर पालिका में काम करती हैं। परिजनों ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ लोनी थाना पुलिस को शिकायत दी है।

चिरोड़ी गांव निवासी आनंद वैध अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनकी पत्नी दया नगर पालिका में संविदा कर्मी हैं। वैद्य ने बताया कि उनका बेटा नींव रविवार सुबह साढ़े पांच बजे अपनी मां को बाइक पर खन्ना नगर कॉलोनी स्थित लोनी नगर पालिका में छोड़ने के लिए जा रहा था। बंथला-चिरोड़ी मार्ग पर निठौरा गेट के सामने तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दया के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि उनका बेटा मामूली रूप से चोटिल हुआ। पुलिस की मदद से घायल महिला को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसीपी लोनी रामकिशन ने बताया कि अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

छात्र-युवाओं पर लाठीचार्ज के विरोध में युवा जेजेपी ने सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच की मांग

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 21 जुलाई । युवा जननायक जनता पार्टी (युवा जेजेपी) ने प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला के निर्देश पर युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राजेश पायलट के नेतृत्व में उपायुक्त कुरुक्षेत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में 20 जुलाई को नई दिल्ली में छात्र-युवाओं के शांतिपूर्ण मार्च के दौरान हुए कथित लाठीचार्ज और आंसू गैस के प्रयोग की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई।

युवा जेजेपी नेताओं ने कहा कि देशभर से छात्र-युवा रोजगार, शिक्षा

और छात्र अधिकारों की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उन पर बल प्रयोग किया गया, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार देता है।

ज्ञापन में मांग की गई कि घटना की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कानूनी व विभागीय कार्रवाई की जाए। साथ ही घायल छात्रों और युवाओं को समुचित उपचार व सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा भविष्य में शांतिपूर्ण प्रदर्शनों पर बल प्रयोग न हो। राजेश पायलट ने कहा कि युवा जेजेपी छात्र-युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए उनके साथ मजबूती से खड़ी है और लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगी।

इस मौके पर युवा जिला अध्यक्ष राजेश पायलट घराडसी, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष विशाल मुकीमपुरा, इनसो जिला अध्यक्ष विक्रांत, इनसो जिला चेयरमैन शिवांश शर्मा, युवा हलका प्रधान साहिल लाडवा, युवा हलका प्रधान हिमांशु, यशपाल चुडूनी, अजय बाजीगर एवं लक्की काजल आदि भी मौजूद रहे।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सरसौद बिछपड़ी बरवाला में ब्लॉक स्तरीय कल्चरल फेस्ट का भव्य आयोजन

» हरियाणा, यूटर्न/ 21 जुलाई ।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सरसौद बिछपड़ी बरवाला (हिसार) में दिनांक 21 जुलाई 2026 को ब्लॉक स्तरीय कल्चरल फेस्ट का सफल एवं भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना, सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या सुमन राठी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में रामरतन, जिला शिक्षा अधिकारी (हिसार) उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जिले सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी, बरवाला ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी अतिथियों का विद्यालय परिवार द्वारा पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

प्रतियोगिताओं का आयोजन दो वर्गों में किया गया। प्रथम वर्ग में कक्षा 5 से 8 तथा द्वितीय वर्ग में कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में एकल लोकनृत्य, समूह लोकनृत्य, नाटक, रागिनी गायन सहित अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उपस्थित दर्शकों एवं अतिथियों की भरपूर सराहना प्राप्त की। प्रत्येक प्रस्तुति में हरियाणवी संस्कृति, भारतीय परंपराओं तथा सामाजिक मूल्यों की सुंदर झलक देखने को मिली। अपने संबोधन में जिला शिक्षा अधिकारी रामरतन ने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों, खेलों, पर्यावरण संरक्षण तथा नशा-मुक्ति जैसे सामाजिक विषयों में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि केवल शैक्षणिक उपलब्धियाँ ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों का विकास भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

खंड शिक्षा अधिकारी जिले सिंह ने भी विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास करते हैं।

घर से 107 किलो गांजा बरामद, प्लास्टिक कट्टों में छिपाकर रखी थी खेप, नशा तस्कर गिरफ्तार

निर्मल सिंह विर्क/पानीपत,यूटर्न/ 21 जुलाई । पुलिस अधीक्षक श्री भूपेंद्र सिंह आईपीएस के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए सीआईए टू टीम ने गांव नांगल खेड़ी में घर से भारी मात्रा में गांजा बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने घर से 107 किलो 4 ग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपी की पहचान नांगलखेड़ी निवासी विकास के रूप में हुई है। सीआईए टू प्रभारी इंस्पेक्टर वीरेंद्र ने बताया कि सोमवार शाम को सीआईए टू की टीम गश्त के दौरान गांव नांगलखेड़ी में थी। तभी टीम को गुप्त सूचना मिली की गांव निवासी विकास ने अपने घर में बेचने के लिए भारी मात्रा में मादक पदार्थ छिपाकर रखा हुआ है। सूचना को पुख्ता मानते हुए पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय विकास कुमार भी सूचना पाकर मौके पर पहुंचे। गांव के नंबरदार विजेंद्र द्वारा अवाज लगाने पर एक युवक घर से बाहर आया। पूछताछ करने पर उसने अपनी पहचान विकास पुत्र राजेंद्र निवासी नांगल खेड़ी के रूप में बताई। नियमानुसार उप पुलिस अधीक्षक विकास कुमार की मौजूदगी में घर की तलाशी ली गई। एक कमरे में प्लास्टि के चार कट्टे मिले। कट्टों को खोलकर जांच करने पर उनमें गांजा भरा हुआ मिला। बरामद गांजे का वजन करने पर 107 किलो 4 ग्राम पाया गया। प्रभारी इंस्पेक्टर वीरेंद्र ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया वह शार्टकट तरिके से मोट पैसे कमाने के लिए उक्त गांजा आंध्रप्रदेश से कम कीमत पर खरीदकर लाया था।

आईपीआरईयू की भूख हड़ताल पर पीआरपीसी प्रबंधन का पक्ष

पानीपत,यूटर्न/ 21 जुलाई । आईपीआरईयू ने 17 जुलाई 2026 को प्रातः 10:30 बजे पीआरपीसी टाउनशिप के गेट संख्या-2 के सामने भूख हड़ताल शुरू की। इसी दिन यूनियन द्वारा दिए गए हड़ताल नोटिस के संबंध में सहायक श्रम आयुक्त (केंद्रीय), करनाल असिस्टेंट लेबर कमिश्नर (सी)के कार्यालय में सुलह बैठक भी आयोजित की गई। हालांकि, यह मामला वर्तमान में सहायक श्रम आयुक्त (केंद्रीय), करनाल के समक्ष विचाराधीन है, इसलिए प्रबंधन का मानना है कि सुलह एवं वार्ता की प्रक्रिया जारी रहने के दौरान भूख हड़ताल करना उचित नहीं है। यूनियन द्वारा उठाई गई मांगें केवल आंतरिक व्यवस्था का हिस्सा थीं तथा औद्योगिक विवाद अधिनियम के अंतर्गत किसी समझौते का हिस्सा नहीं थीं। यूनियन द्वारा उठाए गए अधिकांश मुद्दों और मांगों पर गहन चर्चा की गई है और मांगों पर स्थानीय प्रबंधन द्वारा सकारात्मक चर्चा की जा रही है और समाधान की दिशा में अग्रसर है। पीआरपीसी प्रबंधन यूनियन के साथ नियमित संवाद एवं बैठकों के माध्यम से विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श कर रहा है और मामले का शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

देश व प्रदेश का व्यापारी व उद्योगपति ईमानदारी से व्यापार करके सरकार को टैक्स दे रहा है : बजरंग गर्ग

सरकारी अधिकारियों द्वारा छापेमारी सिर्फ अपनी जेबों को भरने के लिए की जा रही है : बजरंग गर्ग

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 21 जुलाई । व्यापारी प्रतिनिधियों की मीटिंग हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कान्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इस मीटिंग में जीएसटी के अधिकारियों द्वारा नाजायज तंग करने व अन्य व्यापारी समस्याओं पर विचार किया गया व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीएसटी विभाग के अधिकारी निजी स्वार्थ के लिए व्यापारियों को नाजायज तंग कर रहे हैं। जीएसटी विभाग के अधिकारियों के खिलाफ व्यापारियों में बड़ी भारी नाराजगी है। सरकार को भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए जो अपने निजी स्वार्थ के लिए व्यापारियों को तंग कर रहे हैं जबकि देश व प्रदेश का व्यापारी व उद्योगपति ईमानदारी से व्यापार करके सरकार को टैक्स दे रहा है। ऐसे में सरकारी अधिकारियों द्वारा व्यापारियों को नाजायज तंग करना उचित नहीं है। बजरंग गर्ग ने कहा कि व्यापार मंडल गलत काम करने वालों के साथ नहीं है मगर ईमानदार व्यापारियों की दुकान व फैक्ट्री में छापेमारी करके उनसे पैसों की डिमांड करना भी उचित नहीं है। बजरंग गर्ग ने कहा कि जब सरकार ने 50 हजार व 50 हजार से अधिक के बिल को ई-वे बिल अनिवार्य कर दिया गया है। यहां तक की 5 करोड़ से अधिक बिक्री वाले व्यापारी को ई-इन्वॉइसिंग कर दिया है तो ऐसे में जीएसटी की चोरी की कोई गुंजाइश ही नहीं रह जाती है। ऐसे में दुकानों पर छापेमारी किस बात की जा रही है। सरकारी अधिकारियों द्वारा छापेमारी सिर्फ अपनी जेबों को भरने के लिए की जा रही है। सरकार को नजायज जीएसटी के छापों पर अंकुश लगाना चाहिए ताकि प्रदेश के व्यापारियों में भय का माहौल खत्म हो सकें और व्यापारी भय मुक्त होकर व्यापार कर सकें इस अवसर पर व्यापार मंडल जिला प्रधान व प्रदेश महासचिव हीरालाल शर्मा, प्रदेश उप प्रधान आनंद बियानी, शहरी प्रधान कीर्ति गर्ग, उपप्रधान अंजनी कनोडिया, वैश्य समाज प्रधान अनिल सर्राफ, सचिव सुरेश गर्ग, प्रदेश संगठन मंत्री राजेंद्र बंसल, युवा प्रधान हेमंत गुप्ता, सालासर धाम प्रधान गोपाल सर्राफ, प्रदेश सचिव सुधीर ललित आदि प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखें।

एफटीए से गाजियाबाद के उद्योगों के लिए यूरोप में खुलेगा नया बाजार

गाजियाबाद, यूटर्न/ 21 जुलाई । ब्रिटेन के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का लाभ गाजियाबाद के निर्यातकों को मिलने की उम्मीद है। आयात शुल्क शून्य होने से जिले में तैयार होने वाले इंजीनियरिंग उत्पाद, मशीनरी पार्ट्स, कपड़ा और अन्य सामान अब यूरोप के बाजार में बेहतर प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। इससे स्थानीय उद्योगों को नए ऑर्डर मिलने और निर्यात बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

शांतिपूर्ण संसद मार्च के दौरान छात्रों पर हुए बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज चार्ज की कड़े शब्दों में निंदा : भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी

पानीपत, यूटर्न/ 21 जुलाई । भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) पानीपत जिला केंद्र की ओर से पार्टी राज्य कमेटी सदस्य कामरेड सुनील दत्त, जिला सचिव डॉक्टर सुरेंद्र मलिक, राजपाल गाहल्याण प्रेस बयान जारी करते हुए छात्रों के शांतिपूर्ण संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर भयंकर पुलिस लाठी चार्ज, हिंसा की कड़े शब्दों में निन्दा की।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी में मांग की तुरंत देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त किया जाए, छात्रों पर लाठी चार्ज वह हिंसा की उच्च स्तरीय जांच की जाए, संसद मार्च के दौरान किए गए तमाम छात्रों और उनके समर्थन में आए लोगों को जो गिरफ्तार किए गए हैं तुरंत रिहा किया जाए, परीक्षा लेने वाली प्राइवेट एजेंसी एनटीए तो तुरंत भंग किया जाए। वर्तमान हालात के लिए पूरी तरह से केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियां जिम्मेवार जिनके चलते भयंकर महंगाई और बेरोजगारी रूप से बढ़ रही है। देश की युवा पीढ़ी में भारी गुस्सा है। पूरे देश के अंदर लाखों की संख्या में छात्र युवाओं के साथ-साथ किसान मजदूर देश की मेहनतकश जनता सड़कों पर उतरकर तानाशाह मोदी सरकार के खिलाफ विरोध कर रही है।

डॉ. सिमरन आनंद छाबड़ा बनीं ग्लोबल इवेंट्स ऑगेर्नाइजेशन ट्रस्ट डेंटल सर्जन सेल की हरियाणा प्रदेश की अध्यक्षा

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 21 जुलाई । ग्लोबल इवेंट्स ऑगेर्नाइजेशन ट्रस्ट ने समाज सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में सक्रिय डॉ. सिमरन आनंद छाबड़ा को हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष (डेंटल सर्जन सेल) नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति ट्रस्ट की उत्तरी भारत डॉक्टर सैल की अध्यक्षा डॉ. वसुंधरा मेहरोत्रा ने संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट मधुसूदन बावेजा की सहमति से की।

डॉ. सिमरन आनंद छाबड़ा खेड़ी मारकंडा रोड़ पर आनंद डेंटल क्लीनिक के माध्यम से अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए जानी जाती हैं। छह वर्षों के अनुभव के दौरान उन्होंने दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उनका मिलनसार स्वभाव और सेवा भावना उन्हें आमजन के बीच विशेष पहचान दिलाती है।

उन्होंने ट्रस्ट के माध्यम से अनेक निःशुल्क डेंटल मेडिकल कैंप आयोजित कर जरूरतमंद लोगों को निशुल्क दंत चिकित्सा सेवाएं प्रदान की हैं। उनकी जनसेवा, समर्पण और सामाजिक कार्यों को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इस अवसर पर ट्रस्ट के चेयरमैन मधुसूदन बावेजा एडवोकेट व प्रदेश मीडिया प्रभारी तरुण वाधवा ने डॉ. सिमरन आनंद छाबड़ा को नई जिम्मेदारी मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में डेंटल सर्जन सेल समाजहित में और अधिक प्रभावी कार्य करेगा। वहीं डॉ. वसुंधरा मेहरोत्रा ने भी आशा व्यक्त की कि डॉ. सिमरन ट्रस्ट की सेवा गतिविधियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

छात्रों पर बर्बर लाठीचार्ज लोकतंत्र पर हमला, महिलाओं के अधिकारों की अनदेखी अस्वीकार्य : बृजलाल बहबलपुरिया

» हरियाणा, यूटर्न/ 21 जुलाई ।

जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) हिसार के अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने देशभर में छात्रों पर हुए बर्बर लाठीचार्ज तथा महिला कांग्रेस द्वारा महिला आरक्षण को लेकर किए जा रहे राष्ट्रव्यापी विरोध-प्रदर्शनों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि कल का दिन देश के लोकतांत्रिक इतिहास का एक अत्यंत दुखद, हृदयविदारक और शर्मनाक अध्याय बन गया। जिस प्रकार शांतिपूर्ण ढंग से अपनी जायज मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे निहत्थे और निर्दोष छात्रों पर बेरहमी से लाठियां बरसाई गईं, उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया तथा उन पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए, वह किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर एक काला धब्बा है।

उन्होंने कहा कि यह दृश्य इतना दर्दनाक था कि उसे देखना भी किसी संवेदनशील व्यक्ति के लिए आसान नहीं था। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो अपने अधिकारों की बात कर रहे छात्र नहीं, बल्कि कोई बड़े अपराधी हों। जबकि वे इस देश के मासूम बच्चे हैं, भारत का भविष्य हैं और आने वाले समय में यही युवा देश को नई दिशा और नई ऊंचाइयों तक लेकर जाएंगे। अपनी जायज मांगों को लोकतांत्रिक तरीके से उठाने वाले निर्दोष छात्रों के साथ इस प्रकार की निर्ममता और अमानवीय व्यवहार की जितनी निंदा की जाए, वह कम है।

बृजलाल बहबलपुरिया ने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज को सुनना सरकार का कर्तव्य होता है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज सवाल पूछने वालों को लाठियों और आंसू गैस से जवाब दिया जा रहा है। सरकार को यह समझना चाहिए कि भय और दमन से लोकतंत्र नहीं चलता, बल्कि संवाद, संवेदनशीलता और जवाबदेही से चलता है।

तेरा क्या होगा, कार्यकर्ता? पंजाब में चुनावी मौसम और कांग्रेस का हाल

संदीप शर्मा

पंजाब में हर चुनावी मौसम एक ही स्क्रिप्ट के साथ शुरू होता है। नाराज़ कांग्रेस नेता नया राजनीतिक पता ढूंढने लगते हैं, और BJP को अचानक पता चलता है कि कल के विरोधी आज के कीमती एसेट1हैं। अगर शोले को पंजाब के राजनीतिक माहौल पर एक राजनीतिक सटायर के तौर पर दोबारा बनाया जाता, तो एक डायलॉग लगभग पक्का बच जाता: तेरा क्या होगा, कालिया? बस इस बार, सवाल कालिया से नहीं, बल्कि BJP के वफ़ादार पार्टी वर्कर से होगा।

तेरा क्या होगा, कार्यकर्ता?: पंजाब BJP प्रेसिडेंट सुनील जाखड़ कभी कांग्रेस में बड़े पदों पर थे। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस से अलग होने के बाद पार्टी में शामिल हो गए। पूर्व फाइनेंस मिनिस्टर मनप्रीत सिंह बादल भी उनके पीछे-पीछे आए। पूर्व मंत्री राज कुमार वेरका, बलबीर सिंह सिद्धू, गुरप्रीत सिंह कांगड़, सुंदर शाम अरोड़ा और कई अन्य लोगों ने भी पिछले कुछ सालों में BJP में जगह बनाई है। अब, रिपोर्ट्स बताती हैं कि चन्नी-राजा की लड़ाई के बाद और भी नाखुश कांग्रेसी नेता डिपार्चर लाउंज में इंतज़ार कर रहे हैं। इसमें कुछ भी अजीब नहीं है। पॉलिटिक्स ने कभी भी परमानेंट दुश्मनों पर विश्वास नहीं किया है। जो अजीब है वह है BJP वर्कर की स्थिति जिसने पंजाब में पार्टी को मज़बूत करने में सालों बिताए हैं।

सोचिए कि एक दशक बैनर लगाने, बूथ कमेटियों को ऑर्गनाइज़ करने, पार्टी का बचाव करने में बिताना। टेलीविज़न डिबेट में, चुनावी हार से उबरते हुए और सब्र से अपने मौके का इंतज़ार करते हुए। फिर, टिकट बंटवारे से ठीक पहले, एक नेता जो सालों से BJP पर हमला करता रहा है, अंदर आता है, भगवा दुपट्टा पहनता है और उसे मज़बूत कैंडिडेट1 के तौर पर पेश किया जाता है। कोई लगभग कल्पना कर सकता है कि गब्बर सिंह टिकट बांट रहा है।

अरे ओ सांभा... कितने कार्यकर्ता थे?

सरदार... हज़ारों।

और टिकट कितनों को मिला?

...सरदार, वही जो कल ही आए हैं।

BJP को कैडर-बेस्ड ऑर्गनाइज़ेशन होने पर गर्व है। यह इसकी सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। लेकिन कैडर-बेस्ड पॉलिटिक्स में एक अनलिखा वादा भी होता है—कि जब फ़ैसले लिए जाएँगे तो वफ़ादारी मायने रखेगी। नहीं तो, वर्कर सोचता रह जाता है कि BJP टिकट का सबसे छोटा रास्ता सालों की सर्विस से नहीं बल्कि कांग्रेस नाम की दूसरी पार्टी से है। सच कहूँ तो, हर पॉलिटिकल पार्टी ऐसा करती है। कांग्रेस BJP नेताओं का स्वागत करती है। AAP कांग्रेस के पुराने नेताओं को अपनाती है। रीजनल पार्टियाँ भी उतनी ही उत्साहित हैं। चुनाव का मौसम भारत का सबसे बड़ा पॉलिटिकल एक्सचेंज ऑफ़र बन गया है। फिर भी पंजाब में BJP की चुनौती अलग। शिरोमणि अकाली दल से अलग होने के बाद, इसने एक इंडिपेंडेंट ऑर्गनाइज़ेशन बनाने के लिए डेडिकेटेड वर्कर्स पर बहुत ज़्यादा भरोसा किया। जब इलेक्शन में जीत कम मिल रही थी, तब भी वे वर्कर्स पार्टी के साथ खड़े रहे। पक्का वे एक नए आने वाले के पीछे सिर्फ़ थैंक-यू और पार्टी का झंडा लहराने से ज़्यादा के हकदार हैं। विडंबना अपने आप लिख जाती है। एक लीडर सालों तक BJP की बुराई करता है, इलेक्शन से कुछ महीने पहले जॉइन करता है और अचानक बदलाव का चेहरा बन जाता है। इस बीच, जिस वर्कर ने हर मुश्किल दौर में पार्टी का बचाव किया, उसे ऑर्गनाइज़ेशन के बड़े फायदे के लिए एडजस्ट करने के लिए कहा जाता है। इस प्रोसेस के आखिर में, वर्कर को खुद कालिया जैसा महसूस हो सकता है—चुपचाप खड़ा होकर जबकि कोई और उसकी किस्मत का फैसला कर रहा हो। शायद आखिरी डायलॉग अपने आप लिख जाता है।

जो डर गया, वो घर गया। का एक पॉलिटिकल सीक्वल बन गया है। जो टिक गया, वो टिकट से गया? अगर BJP पंजाब में आगे बढ़ना चाहती है तो उसे पक्का एक्सपीरियंस्ड लीडर्स और बड़े सोशल कोएलिशन की ज़रूरत है। लेकिन नए चेहरों का वेलकम करते समय, उसे पुराने चेहरों को भी याद रखना चाहिए। क्योंकि इलेक्शन सिर्फ़ आखिरी मिनट में जॉइन करने वाले लीडर्स ही नहीं जीतते, बल्कि उन कार्यकर्ताओं द्वारा भी जो कभी गए ही नहीं। और इससे पहले कि राजनीतिक लोगों के अगले बैच का फूलों से स्वागत हो, BJP में कोई चुपचाप शोले जैसा सवाल पूछ सकता है: तेरा क्या होगा....कार्यकर्ता?

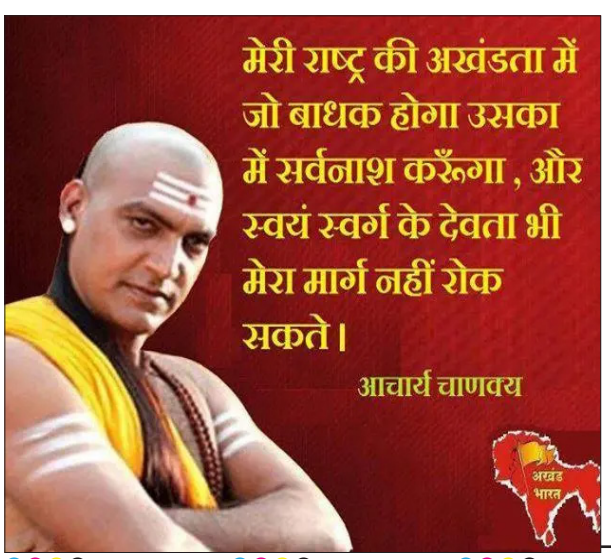

संसद का मानसून सत्र, सड़कों का संघर्ष और लोकतांत्रिक असहमति की अग्निपरीक्षा

बैरिकेडों में घिरा लोकतंत्र या सुरक्षा की अनिवार्यता?

बहुस्तरीय बैरिकेडिंग,बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती,संवेदनशील क्षेत्रों में प्रवेश नियंत्रण तथा प्रदर्शनकारियों को संसद तक पहुँचने से रोकने के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए। प्रशासन ने इसे संसद की सुरक्षा के लिए आवश्यक बताया, जबकि विपक्षी दलों और प्रदर्शनकारियों ने इसे लोकतांत्रिक विरोध पर कठोर अंकुश बताया। लोकतंत्र में सुरक्षा और स्वतंत्रता दोनों समान रूप से आवश्यक हैं।

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

भारत का लोकतंत्र केवल संसद भवन की चारदीवारी तक सीमित नहीं है। उसकी वास्तविक शक्ति संसद के भीतर होने वाली बहस और संसद के बाहर जनता की आवाज-दोनों के संतुलन में निहित है। संसद कानून बनाती है, जबकि जनता समय-समय पर आंदोलनों के माध्यम से सत्ता को आईना दिखाती है। किंतु जब संसद की ओर बढ़ते कदमों को बैरिकेड,लाठी,आँसू गैस और अभूतपूर्व सुरक्षा घेरे का सामना करना पड़े,तब प्रश्न केवल कानून- व्यवस्था का नहीं रह जाता; वह लोकतंत्र की आत्मा से जुड़ा प्रश्न बन जाता है। संसद के वर्तमान मानसून सत्र ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि क्या भारत में लोकतांत्रिक असहमति का दायरा सिमट रहा है,अथवा सुरक्षा चुनौतियों के कारण प्रशासन पहले से अधिक सतर्क और कठोर हो गया है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि संसद केवल जनप्रतिनिधियों का भवन नहीं, बल्कि देश की 140 करोड़ जनता की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का सर्वोच्च प्रतीक है। भारतीय लोकतंत्र का इतिहास बताता है कि बड़े राजनीतिक परिवर्तन केवल संसद के भीतर नहीं हुए। सन 1974 का लोकनायक जयप्रकाश नारायण का आंदोलन सत्ता परिवर्तन का कारण बना। 1975 का आपातकाल लोकतांत्रिक अधिकारों पर सबसे बड़ा प्रहार माना गया। 2011 में अन्ना हजारे के जनलोकपाल आंदोलन ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध देशव्यापी जनमत तैयार किया और राजनीति की दिशा बदल दी। 2020झ21के किसान आंदोलन ने अंततः केंद्र सरकार को तीन कृषि कानून वापस लेने पर विवश किया। इन घटनाओं ने सिद्ध किया कि लोकतंत्र में संसद और सड़क कभी विरोधी नहीं, .बल्कि एक-दूसरे को दिशा देने वाली संस्थाएँ रही हैं। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में वर्तमान मानसून सत्र के दौरान राजधानी दिल्ली का दृश्य अनेक प्रश्न छोड़ जाता है। संसद मार्ग और उसके आसपास का इलाका अभूतपूर्व सुरक्षा घेरे में बदल गया। बहुस्तरीय बैरिकेडिंग,बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती,संवेदनशील क्षेत्रों में प्रवेश नियंत्रण तथा प्रदर्शनकारियों को संसद तक पहुँचने से रोकने के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए।

प्रशासन ने इसे संसद की सुरक्षा के लिए आवश्यक बताया, जबकि विपक्षी दलों और प्रदर्शनकारियों ने इसे लोकतांत्रिक विरोध पर कठोर अंकुश बताया। लोकतंत्र में सुरक्षा और स्वतंत्रता दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। संसद की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। 13 दिसंबर 2001 को संसद पर हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन किए गए थे। इसके बाद संसद परिसर को देश के सबसे सुरक्षित क्षेत्रों में विकसित किया गया। इसलिए सुरक्षा एजेंसियों की अतिरिक्त सतर्कता असामान्य नहीं कही जा सकती। किंतु दूसरी ओर यह भी उतना ही सत्य है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 नागरिकों को शांतिपूर्ण और अहिंसक ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार भी देता है। लोकतंत्र की कसौटी यही है कि सुरक्षा और स्वतंत्रता के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। वर्तमान घटनाक्रम में सबसे अधिक चिंता का विषय संवाद का अभाव दिखाई देता है। जब सरकार और आंदोलनकारी दोनों स्वयं को सही साबित करने में लग जाएँ और संवाद की जगह टकराव ले ले,तब लोकतंत्र का नैतिक बल कमजोर पड़ने लगता है। संसद के भीतर यदि बहस बाधित हो और बाहर विरोध को केवल कानून- व्यवस्था का विषय मान लिया जाए,तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया अधूरी रह जाती है।

विपक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों के साथ आवश्यकता से अधिक कठोरता बरती गई,जबकि प्रशासन का कहना है कि संसद की सुरक्षा सर्वोपरि थी और निषेधाज्ञा का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जा सकता। दोनों पक्षों के अपने- अपने तर्क हैं। किंतु सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या ऐसी परिस्थितियों से बचा जा सकता था?क्या संवाद,समन्वय और बेहतर भीड़-प्रबंधन से टकराव टाला जा सकता था?

संविधान और संप्रभु भारत का अमर प्रतीक तिरंगा

श्वेता गोयल

विश्व में प्रत्येक राष्ट्र का अपना-अपना राष्ट्रीय ध्वज है। राष्ट्रीय ध्वज ही उसकी मर्यादाऔर अस्मिता से जुड़ा होता है लेकिन इस मायने में हमारा राष्ट्र ध्वज 'तिरंगा' अन्य राष्ट्र ध्वजों के मुकाबले अनेक विशेषताएं धारण किए हुए है। चूंकि अंग्रेजों से भारत की मिली आजादी के चंद दिन पहले ही 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने वर्तमान भारतीय तिरंगे को देश के आधिकारिक ध्वज के रूप में अपनाया था, इसीलिए भारत में प्रतिवर्ष 22 जुलाई को 'राष्ट्रीय ध्वज दिवस' मनाया जाता है। आधिकारिक रूप में तिरंगे को अपनाने के बाद से यह देश की एकता, साहस, और आकांक्षाओं का प्रतीक बन गया। राष्ट्रीय ध्वज दिवस भारत की सम्प्रभु राष्ट्र बनने की यात्रा का स्मरण कराता है। तिरंगा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता के लिए इसके कठिन संघर्ष और एकजुट एवं समृद्ध राष्ट्र के लिए अपने लोगों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। हमारा राष्ट्र ध्वज न केवल राष्ट्र की एकता, अखंडता, गरिमा, गौरव, शक्ति, आदर्श और आकांक्षाओं का प्रतीक है बल्कि समूचे विश्व को त्याग की भावना एवं शाति का संदेश भी देता है। यह हमारी स्वतंत्रता का भी प्रतीक है क्योंकि आजादी की लड़ाई में क्रांतिकारियों को एकजुट करने में इसकी बहुत अहम भूमिका रही। तिरंगे ने ही भारतवासियों को एकता और भाईचारे का संदेश देकर उन्हें एक सूत्र में पिरोकर अंग्रेजों से लोहा लेने को प्रेरित किया था। तब क्रांतिकारियों के लिए राष्ट्र ध्वज का सम्मान अपने प्राणों से भी बढ़कर होता था, इसीलिए अंग्रेजों की लाठियां व गोलियां खाते हुए भी उन्होंने इसे कभी झुकने नहीं दिया।

तीन रंगों की पट्टियों वाले राष्ट्रीय ध्वज की सबसे ऊपर की केसरिया रंग की पट्टी त्याग, बल और पौरूष की प्रतीक है जबकि बीच वाली सफेद पट्टी शांति और सत्य की प्रतीक है और सबसे नीचे की हरे रंग की पट्टी हरियाली, समृद्धि एवं सम्पन्नता की प्रतीक है। झंडे के बीचों-बीच सफेद पट्टी में स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। 24 तीलियों वाला अशोक चक्र देश की प्रगति, राष्ट्र के कानून और धर्म के पहिये का प्रतीक है। डा. सर्वपल्ली राधकृष्णन के शब्दों में कहें तो जो लोग इस ध्वज के नीचे कार्य करेंगे, उन्हें सत्य और सदाचार के सिद्धांतों का पालन करना होगा। राष्ट्र ध्वज के नीचे कार्य करने वालों से उनका तात्पर्य सरकारों और नौकरशाहों से था। राष्ट्र कोकिला सरोजिनी नायडू ने भी राष्ट्र ध्वज की महत्ता का उल्लेख करते हुए संविधान सभा में राष्ट्र ध्वज का प्रस्ताव पेश करते समय 22 जुलाई 1947 को कहा था कि नए भारत के सभी नागरिकों को इस राष्ट्र ध्वज को प्रणाम करना होगा और इसके नीचे कोई छोटा-बड़ा नहीं होगा। राष्ट्र ध्वज का सफर 7 अगस्त 1906 को आरंभ हुआ था। हरे, पीले और लाल रंग की तीन पट्टियों से बना यह राष्ट्रीय ध्वज कलकत्ता के पारसी बागान में फहराया गया था। उस ध्वज पर ऊपर की हरी पट्टी पर एक ही पंक्ति में सफेद रंग के आठ कमल अंकित थे जबकि बीच वाली पीली पट्टी पर देवनागरी में गहरे नीले रंग से वंदेमातरम्-लिखा था और नीचे की लाल पट्टी पर बायीं ओर एक सफेद सूर्य और दायीं ओर एक-एक सफेद चन्द्रमा और तारा अंकित थे।

'भारत का झंडा' नामक यह ध्वज हालांकि भारत के सभी धर्मों, सम्प्रदायों और साम्प्रदायिक सद्भावना को मदेनजर रखते हुए तैयार किया गया था लेकिन यह ध्वज सर्वमान्य नहीं हो पाया। 1917 में डा. एनी बेसेंट और लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक द्वारा 'होमरूल आन्दोलन' चलाया गया था। उस समय एक नया राष्ट्रीय ध्वज तैयार किया गया, जिसमें लाल और हरे रंग की एक के बाद एक कुल 9 समानान्तर और तिरछी पट्टियां थी। उस ध्वज के बीचों-बीच 7 तारे थे और एक कोने में चांद व तारा अंकित थे जबकि उसके ऊपरी बायें कोने में 'यूनियन जैक' का चित्र (झंडे का चौथाई भाग) बनाया गया था। झंडे में यूनियन जैक के इस चित्र को सम्मिलित किए जाने के कारण ही यह अधिकांश लोगों द्वारा नापसंद कर दिया गया क्योंकि इस चित्र को राष्ट्रीय ध्वज में स्थान देने का अर्थ यही माना गया कि भारतीय समाज की ब्रिटिश सम्प्रभुत्ता के प्रति स्वीकृति है।

पेटीएम का पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन, मुनाफा 79 फीसदी बढ़ा

राजस्व में भी 28 फीसदी की उछाल, बोर्ड ने बोनस के बजाय कारोबार विस्तार को दी प्राथमिकता

» मुंबई, यूटर्न/ 21 जुलाई ।

फिनटेक दिग्गज पेटीएम (वन 97 कम्युनिकेशंस) ने जून तिमाही के नतीजों में अपनी मजबूत कारोबारी स्थिति का प्रदर्शन किया है। कंपनी का समेकित शुद्ध लाभ 79 फीसदी बढ़कर 220 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो पिछले साल की समान अवधि के 123 करोड़ रुपये से काफी अधिक है। कंपनी की राजस्व वृद्धि भी दमदार रही है, हालांकि निवेशकों को जिस बोनस शेयर का इंतजार था, उस पर फिलहाल विराम लगा दिया गया है। इस तिमाही में कंपनी का ऑपरेशन से राजस्व 28 फीसदी बढ़कर 2,448 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल यह 1,918 करोड़ रुपये था। कुल आय में भी 22 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 2,630 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। मुनाफे के साथ-साथ कंपनी की परिचालन दक्षता में भी सुधार दिखा है, जिससे प्रॉफिट बिफोर टैक्स (पीबीटी) बढ़कर 247 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के बोर्ड ने बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर विचार किया था, लेकिन फिलहाल इसे टालने का फैसला किया है। बोर्ड का मानना है कि इस समय कारोबार में निवेश करना और लंबी अवधि में मुनाफा बढ़ाना ज्यादा महत्वपूर्ण है, जिससे भविष्य में शेयरधारकों को अधिक लाभ मिलेगा। इसी रणनीति के तहत, बोर्ड ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पेटीएम मनी में 100 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश करने को भी मंजूरी दी है।

अदाणी टोटल गैस की आय जून तिमाही में 27 प्रतिशत बढ़ी, मुनाफा 133 करोड़ रुपए रहा

» अहमदाबाद, यूटर्न/ 21 जुलाई

अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने मंगलवार को वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए। इस दौरान कंपनी की स्टैंडअलोन आय सालाना आधार पर 27 प्रतिशत बढ़कर 1,910 करोड़ रुपए हो गई है। वहीं, कंपनी का कर के बाद मुनाफा 133 करोड़ रुपए रहा है।

मजबूत मुनाफे के साथ कंपनी ने वित्त वर्ष 27 की जून तिमाही में 281 करोड़ रुपए का ईबीआईटीडीए दर्ज किया है। कंपनी ने कहा कि चालू तिमाही के दौरान उसका परिचालन प्रदर्शन मजबूत रहा। स्टैंडअलोन आधार पर सीएनजी और पीएनजी की संयुक्त बिक्री मात्रा सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 303 मिलियन मीट्रिक स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर (एमएमएससीएम) रही।

वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए एटीजीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजय पंडिता ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन किया। परिचालन की मजबूती और स्वच्छ ईंधन के प्रति उपभोक्ताओं की बढ़ती पसंद के चलते बिक्री मात्रा में सालाना आधार पर 13 प्रतिशत और आय में 27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

उन्होंने कहा, 'तिमाही के दौरान कारोबारी माहौल चुनौतीपूर्ण बना रहा। प्राकृतिक गैस की ऊंची कीमतें, ब्रेंट क्रूड के बढ़े हुए दाम, मुद्रा विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर नकारात्मक असर डाला।'

पंडिता ने कहा, 'इन परिस्थितियों ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) उद्योग की गैस सोर्सिंग रणनीति पर दबाव बनाया। इसके बावजूद हमारा ध्यान गैस आपूर्ति की निरंतरता बनाए रखने, परिचालन दक्षता बढ़ाने, सीएनजी और पीएनजी उपभोक्ताओं को अनावश्यक जोखिमों से बचाने तथा ग्राहकों और हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने पर केंद्रित रहा।'

तिमाही के दौरान एटीजीएल ने अपने वितरण नेटवर्क का विस्तार जारी रखते हुए पांच नए सीएनजी स्टेशन जोड़े, जिससे कुल स्टेशनों की संख्या बढ़कर 707 हो गई।

कंपनी ने 38,243 नए पीएनजी घरेलू कनेक्शन भी जोड़े, जिससे कुल घरेलू कनेक्शनों की संख्या बढ़कर 11.41 लाख हो गई।

औद्योगिक और वाणिज्यिक ग्राहकों की संख्या 448 बढ़कर 10,422 हो गई, जबकि स्टील पाइपलाइन नेटवर्क की कुल लंबाई बढ़कर लगभग 15,987 इंच-किलोमीटर पहुंच गई।

अपने संयुक्त उपक्रम इंडियनऑयल-अदाणी गैस प्राइवेट लिमिटेड (आईओएजीपीएल) को शामिल करने पर कंपनी की देशव्यापी मौजूदगी में भी लगातार विस्तार हुआ।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयर की एनएसई पर धमाकेदार लिस्टिंग

निवेशकों को प्रति शेयर 39 .30 रुपए का फायदा

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 जुलाई

देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंटके शेयरों ने मंगलवार को शेयर बाजारों में जोरदार एंट्री ली है। कंपनी के शेयर एनएसई पर 613.30 रुपए पर सूचीबद्ध हुए, जिससे निवेशकों को प्रति शेयर 39.30 रुपए का शानदार लिस्टिंग गेन मिला। बीएसई पर भी शेयर 610 रुपए पर लिस्ट हुआ, जो आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 574 रुपए से ऊपर रहा। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का आईपीओ 14 जुलाई को खुला था और 16 जुलाई को बंद हुआ था। इसका प्राइस बैंड 545 से 574 रुपए प्रति शेयर निर्धारित किया गया था। निवेशकों ने इस इश्यू में जबरदस्त रुचि दिखाई, जिसके परिणामस्वरूप यह समग्र रूप से 41.73 गुना सब्सक्राइब हुआ। योग्य संस्थागत खरीदारों की श्रेणी में इसे 140.11 गुना और गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 22.51 गुना बोलियां मिलीं, जबकि खुदरा निवेशकों ने भी 3.76 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया। यह इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल था, जिसका अर्थ है कि आईपीओ से जुटाया गया पैसा कंपनी के बजाय प्रमोटरों, एसबीआई और अमुंडी के पास गया। एसबीआई ने इस आईपीओ के माध्यम से 9,95,01,649 शेयर बेचे, वहीं अमुंडी इंडिया होल्डिंग ने 7,14,54,982 शेयर बेचे। इस सौदे के बाद अब कंपनी में एसबीआई की हिस्सेदारी 60.32 फीसदी और अमुंडी की हिस्सेदारी 36.06 फीसदी रह गई है। बड़े निवेशकों ने भी इस आईपीओ में अपनी दिलचस्पी दिखाई। एसबीआई फंड्स ने एंकर निवेशकों से 2,662.96 करोड़ रुपए जुटाए थे। ब्लैकरॉक, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, मॉर्गन स्टेनली, गोल्डमैन सॉक्स और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जैसे 129 दिग्गज संस्थानों ने एंकर बुक के तहत शेयर खरीदे थे। वर्ष 1987 में स्थापित, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड तिमाही औसत एसेट अंडर मैनेजमेंट के आधार पर भारत की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी है। नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2023 तक कंपनी के पास म्यूचुअल फंड में 12.51 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति थी और इसका मार्केट शेयर 15.3 फीसदी था।

टीएएसएमएसी शराब खरीद नीति में बदलाव

सभी मैन्युफैक्चरर्स से बराबर मात्रा में खरीदने पर जोर

» चेन्नई, यूटर्न/ 21 जुलाई ।

तमिलनाडु सरकार ने तमिलनाडु राज्य मार्केटिंग कॉर्पोरेशन (टीएएसएमएसी) की शराब खरीद नीति में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने राज्य के रिटेल एकाधिकार वाले इस निगम को निर्देश दिया है कि वह कुछ चुनिंदा कंपनियों पर ज्यादा निर्भर रहने के बजाय, सभी वैध निमार्ताओं से शराब की खरीद समान रूप से करें। तमिलनाडु राज्य मार्केटिंग कॉर्पोरेशन (टीएएसएमएसी) की ओर से पूरे तमिलनाडु में 4,000 से ज्यादा शराब की दुकानें चलाई जाती हैं। टीएएसएमएसी की ओर से अभी 11 मैन्युफैक्चरर्स से इंडियन मेड फॉरेन लिकर (आईएमएफएल) और छह कंपनियों से बीयर खरीदा जाता है। खबरों के अनुसार, इनमें से कुछ मैन्युफैक्चरर्स को बड़ी राजनीतिक पार्टियों से जुड़े लोग प्रमोट करते हैं। अब तक, खरीद मुख्य रूप से ग्राहकों की मांग पर आधारित थी, जिसमें टीएएसएमएसी सबसे लोकप्रिय ब्रांडों से काफी ज्यादा मात्रा में शराब खरीदता था।

कई बार लगभग 60 से 70 प्रतिशत सप्लाई कुछ ही मैन्युफैक्चरर्स से आती थी, जिनके उत्पादों की बिक्री सबसे ज्यादा होती थी। टीवीके के नेतृत्व वाली नई सरकार के गठन के बाद, टीएएसएमएसी की ओर से पारदर्शिता बढ़ाने और कामकाज को बेहतर बनाने के लिए कई सुधार लागू किए जा रहे हैं।

टीएएसएमएसी बोर्ड ने 6 जुलाई को हुई अपनी बैठक में सभी वैध मैन्युफैक्चरर्स से लगभग बराबर मात्रा में शराब खरीदकर एक संतुलित खरीद रणनीति फैसला किया। इस फैसले के अनुसार, टीएएसएमएसी ने सभी शराब कंपनियों को एक समान रूप से खरीद ऑर्डर जारी करना शुरू कर दिया है। कॉरपोरेशन ने अपने प्रीमियम 'एलीट' शराब आउटलेट्स को यह भी निर्देश दिया है कि वे हर वैध मैन्युफैक्चरर से प्रीमियम और मीडियम-ग्रेड शराब का कम से कम एक केस स्टॉक में रखें, ताकि ग्राहकों के लिए ब्रांडों की एक बड़ी रेंज उपलब्ध हो सके। बदली हुई खरीद नीति पर टीएएसएमएसी कर्मचारियों की मिली-जुली प्रतिक्रिया आई है।

कर्मचारियों का कहना है कि बराबर खरीद से ग्राहकों की पसंद का सही अंदाजा नहीं लग सकता। वे चेतावनी देते हैं कि अगर हर मैन्युफैक्चरर से स्टैंडर्ड शराब की किस्में बराबर मात्रा में खरीदी जाती हैं, तो लोकप्रिय ब्रांडों का स्टॉक खत्म हो सकता है, जबकि कम बिकने वाले उत्पाद स्टोर की शेल्फ पर बिना बिके रह सकते हैं।

कर्मचारियों के अनुसार, इससे ग्राहकों की पसंद वाले शराब ब्रांडों की कमी हो सकती है और साथ ही कम मांग वाले उत्पादों का इन्वेंट्री बढ़ सकता है।

इस बीच, शराब पीने वालों ने सरकार से टीएएसएमएसी आउटलेट्स में उपलब्ध उत्पादों की रेंज को और बढ़ाने का आग्रह किया है। वे चाहते हैं कि मशहूर इम्पोर्टेड और इंटरनेशनल शराब ब्रांड भी शामिल किए जाएं, जो अभी पड़ोसी केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी और आस-पास के राज्यों में बिकते हैं।

केंद्र एक्वाकल्चर और तंबाकू किसानों को उचित दाम व निर्यात वृद्धि के लिए प्रतिबद्धः पीयूष गोयल

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 जुलाई ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक्वाकल्चर क्षेत्र को मजबूत करने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि इससे भारत की तटीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, किसानों की आजीविका बेहतर होगी और निर्यात वृद्धि के नए अवसर पैदा होंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में गोयल ने बताया कि उन्होंने आंध्र प्रदेश के एक्वाकल्चर और तंबाकू उद्योग से जुड़े पक्षकारों के साथ सार्थक बातचीत की।

गोयल ने कहा, 'हमने भारत की तटीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए एक्वाकल्चर क्षेत्र को और सशक्त बनाने के अवसरों पर चर्चा की।' उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को उचित मूल्य, बेहतर बाजार पहुंच और निर्यात बढ़ाने के नए अवसर उपलब्ध कराकर उनकी आजीविका को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन प्रयासों से आंध्र प्रदेश की आर्थिक प्रगति को भी गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि एक्वाकल्चर राज्य के प्रमुख निर्यात केंद्रित क्षेत्रों में से एक है और भारत के सीफूड निर्यात में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। बैठक में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू किंजारापु, भारी उद्योग एवं इस्पात राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा, भाजपा नेता डी. पुरंदेश्वरी, टीडीपी संसदीय दल के नेता लावू श्रीकृष्ण देवरायालु तथा आंध्र प्रदेश के मंत्री के. अच्चन्नायडू, गोट्टीपाटी रवि कुमार और डोला बाला वीरंजनय स्वामी भी शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

हॉलीवुड की 81 अरब डॉलर की मेगा डील पर कोर्ट ने लगाई अस्थायी रोक

वाशिंगटन, यूटर्न/ 21 जुलाई । हॉलीवुड के इतिहास की सबसे बड़ी कारोबारी डील पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। पैरामाउंट और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के बीच प्रस्तावित 81 अरब डॉलर के मेगा मर्जर पर अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने अस्थायी रोक लगा दी है। कोर्ट का यह फैसला उन 12 राज्यों के पक्ष में आया है, जिन्होंने इस सौदे को प्रतिस्पर्धा के लिए खतरा बताते हुए चुनौती दी थी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने दोनों कंपनियों को कम से कम दो सप्ताह तक इस सौदे को आगे नहीं बढ़ाने का आदेश दिया है। राज्यों का तर्क है कि यदि दोनों मीडिया दिग्गज एक हो गए तो हॉलीवुड में प्रतिस्पर्धा कमजोर होगी, जिसका सीधा असर दर्शकों के विकल्पों और जेब पर पड़ेगा। फेडरल डिस्ट्रिक्ट जज अरासेली मार्टिनेज-ओल्गुइन ने राज्यों की याचिका पर सुनवाई के बाद यह अस्थायी रोक लगाई है, ताकि उन्हें अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने का पर्याप्त समय मिल सके। कैलिफोर्निया की अगुवाई में इन 12 राज्यों ने तर्क दिया है कि विलय से मनोरंजन उद्योग में प्रतिस्पर्धा कम होगी, दर्शकों के पास कंटेंट के विकल्प घटेंगे और केबल टीवी व मनोरंजन सेवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं।

रिलायंस का कैंपा कोल्ड ड्रिंक बाजार में छाया, बना तीसरा खिलाड़ी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 जुलाई । रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) का सॉफ्ट ड्रिंक ब्रांड कैंपा भारतीय बाजार में तेजी से पैठ बना रहा है। अब यह देश के गैर-मादक रेडी-टू-ड्रिंक (एनएआरटीडी) पेय बाजार की तीसरी सबसे बड़ी खिलाड़ी बन गई है, जो कोका-कोला और पेप्सिको जैसे स्थापित ब्रांडों को कड़ी चुनौती दे रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अनुसार, जून तिमाही में पेय कारोबार से लगभग 2,900 करोड़ रुपए का राजस्व मिला, जो उल्लेखनीय वृद्धि है। कैंपा और इंडिपेंडेंस जैसे ब्रांडों की बदौलत कंपनी ने कई क्षेत्रीय बाजारों में पहले ही दोहरे अंकों की बाजार हिस्सेदारी हासिल कर ली है। 2023 में दोबारा लॉन्च के बाद, कैंपा ने आक्रामक मूल्य निर्धारण, व्यापक वितरण नेटवर्क और उत्पाद विविधता के दम पर तेजी से विस्तार किया है। कंपनी ने कोला के अलावा लेमन, ऑरेंज और एनर्जी ड्रिंक जैसे उत्पादों को अपने पोर्टफोलियो में शामिल किया है। बढ़ती मांग के मद्देनजर रिलायंस अपनी विनिर्माण क्षमता बढ़ा रही है और नए बेवरेज प्लांट का एक हिस्सा शुरू कर चुकी है।

तेज रफ्तार कार ने मारी खड़ी गाड़ी में टक्कर, दो चोटिल

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 21 जुलाई । थानाक्षेत्र स्थित एलिवेटेड के नीचे गाड़ी खड़ी करके बातचीत कर रहे कनावनी निवासी कुलदीप नागर और उनके दोस्त को तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बुरी तरह चोटिल हो गए। आरोप है कि दूसरी कार का चालक नशे में धुत था। जब उन्होंने कार में टक्कर मारने का विरोध किया तो आरोपी चालक ने हाथापाई भी की। पुलिस ने 20 जुलाई को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। दर्ज मामले में कुलदीप नागर ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह करीब 10 बजे एलिवेटेड रोड के नीचे व नदी किनारे कार खड़ी करके दोस्त से बातचीत कर रहे थे। उसी दौरान एक तेज रफ्तार कार पीछे से आई और उनकी गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह और उनका दोस्त दोनों चोटिल हो गए। घटना के दौरान दोनों कार में बैठकर बात कर रहे थें। कार से नीचे उतरकर उन्होंने आरोपी चालक से समक्ष विरोध जताया। आरोप है कि वह डंडा लेकर कार से उतरा और गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। किसी तरह उन्होंने अपनी जान बचाई और भागकर थाने पहुंचे।

शेयर मार्केट निवेश, ऑनलाइन शॉपिंग और सस्ते लोन के नाम पर की ठगी, तीन दबोच

फरीदाबाद, यूटर्न/ 21 जुलाई । साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग साइबर ठगी के मामलों में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने शेयर मार्केट में निवेश, ऑनलाइन शॉपिंग और कम ब्याज पर लोन दिलाने के नाम पर हुई ठगी के मामलों का खुलासा किया। पहले मामले में एक व्यक्ति से शेयर मार्केट में मोटे मुनाफे का झांसा देकर 68.25 लाख रुपये की ठगी की गई थी। जांच के दौरान बैंकिंग ट्रेल के आधार पर पुलिस ने फतेहाबाद के टोहाना निवासी दीपक को गिरफ्तार किया। जिसके बैंक खाते में ठगी की रकम में से 50 हजार रुपये ट्रांसफर हुए थे। आरोपी को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। दूसरे मामले में ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान 20 हजार रुपये की ठगी की गई। तकनीकी जांच के आधार पर जयपुर निवासी चन्द्रेश को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि उसने अपना सिम कार्ड साइबर ठगों को उपलब्ध कराया था, जिसका इस्तेमाल कर पीड़ित से संपर्क किया गया। तीसरे मामले में बदायूं निवासी योगेश कुमार को कम ब्याज पर पर्सनल लोन दिलाने का झांसा देकर 1.25 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

बुजुर्ग महिला की चेन काटने वाली बावरिया गिरोह की महिला सदस्य, गिरफ्तार

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 21 जुलाई । गुलमोहर ग्रीन निवासी सेवानिवृत्त प्रवेश राय की पत्नी से 26 जून को ई-रिक्शा में सोने की काटने वाली बावरिया गिरोह की महिला सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला फरीदाबाद के छांयसा थानाक्षेत्र स्थित नहरौली गांव निवासी कुंती उर्फ रूबी है। महिला की नाबालिग ननद को भी पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ के बाद नारी निकेतन भेज दिया है। बावरिया गिरोह की महिला सदस्य ननद और छह वर्षीय भांजे को साथ ले अपराध करती थी। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि बुजुर्ग राम प्रवेश राय 26 जून को अपनी पत्नी और बेटी के साथ ई रिक्शा से शॉपिंग मॉल जा रहे थे। रास्ते में एक महिला, नाबालिग लड़की और 6 वर्षीय बच्चे के साथ ई-रिक्शा में सवार हो गई। मॉल के सामने बातों में उलझाकर महिला ने पीड़ित की पत्नी के गले से चेन काट ली। इसके बाद रिक्शा से उतरकर चली गई।

एमएमजी अस्पताल में कम पड़े बेड, रेफर किए जा रहे मरीज

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 21 जुलाई ।**

जिला एमएमजी अस्पताल में दो वार्ड बंद होने से बेड की संख्या कम हो गई है। इसका सबसे ज्यादा असर भर्ती होने वाले मरीजों पर पड़ रहा है। हालत यह हैं कि गंभीर मरीजों के साथ-साथ सामान्य मरीजों को भी बेड उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। मजबूरी में अस्पताल प्रशासन प्राथमिक उपचार देने के बाद मरीजों को दूसरे सरकारी अस्पतालों के लिए रेफर कर रहा है। रेफर होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ रही है।

सोमवार को अस्पताल की ओपीडी और आईपीडी से करीब 10 मरीजों को रेफर किया गया। अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार औसतन 24 घंटे में 10 से 12 मरीजों को रेफर करना पड़ रहा है। पिछले दस दिनों में ओपीडी और आईपीडी से 21 मरीजों को दूसरे अस्पताल भेजा गया, जबकि इमरजेंसी से भी करीब 15 मरीज रेफर किए जा चुके हैं। अधिकारियों के निर्देश के बाद मरीजों को डूडाहेड़ा अस्पताल और संजय नगर अस्पताल भेजा जा रहा है।

सोमवार को अस्पताल की ओपीडी में कुल 2652 मरीजों ने इलाज कराया। इनमें 1278 महिलाएं, 934 पुरुष और 440 बच्चे शामिल रहे। वहीं 78 मरीजों को भर्ती किया गया। मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन बेड कम होने के कारण सामान्य बीमारी वाले मरीजों को भी भर्ती नहीं किया जा रहा है। कई मरीजों और तीमारदारों का कहना है कि एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भेजे जाने में समय और पैसा दोनों खर्च हो रहे हैं, जिससे इलाज में भी देरी हो रही है।

अस्पताल प्रशासन बच्चों के लिए महिला अस्पताल में 10 बेड का वार्ड शुरू करने की तैयारी कर रहा है। हालांकि अभी यह व्यवस्था लागू नहीं हुई है। दूसरी ओर कई मरीज दूसरे अस्पताल रेफर किए जाने का विरोध भी कर रहे हैं। इससे अस्पताल प्रशासन के सामने व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण बन गया है।

पेट दर्द में किया रेफर

अकबरपुर-बहरामपुर निवासी विजय कुमार पेट में तेज दर्द की शिकायत लेकर एमएमजी अस्पताल पहुंचे थे। डॉक्टरों ने भर्ती की सलाह दी, लेकिन बेड खाली नहीं होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें दूसरे सरकारी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

संयुक्त जिला अस्पताल में बीपी की दवा अधोमानक मिली, वितरण पर तत्काल रोक

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 21 जुलाई ।**

संजयनगर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल में उच्च रक्तचाप की दवा टेल्मिसर्टन 40 का एक बैच जांच में अधोमानक पाए जाने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने उसके वितरण पर तत्काल रोक लगा दी है। हालांकि, रिपोर्ट आने से पहले ही दवाई का स्टॉक खत्म हो चुका है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जिले के सभी सरकारी अस्पतालों के अधीक्षकों को संबंधित बैच की दवा मरीजों को न देने और उपलब्ध स्टॉक को अलग सुरक्षित रखने के निर्देश जारी किए हैं।

सीएमओ ने पत्र भेजकर जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को भी संबंधित बैच की दवा हटाने के आदेश दिए हैं। इससे पहले भी सरकारी अस्पतालों में आपूर्ति की गई दौरे के इलाज में इस्तेमाल होने वाली सोडियम वैल्प्रोएट और खांसी के सिरप प्रिमेथाजिन के नमूने भी अधोमानक पाए गए थे। हालांकि उस समय शासन को भेजी गई रिपोर्ट में बताया गया था कि संबंधित बैच की दवाओं की आपूर्ति गाजियाबाद जिले में नहीं हुई थी।

जानकारी के अनुसार औषधि मानक नियंत्रण संगठन की टीम ने 9 अप्रैल 2026 को संयुक्त जिला अस्पताल के दवा भंडार का निरीक्षण किया था। इस दौरान चार दवाओं के नमूने जांच के लिए लिए गए थे। जांच रिपोर्ट में टेल्मिसर्टन 40 का एक नमूना गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरा और उसे अधोमानक घोषित किया गया। इस बैच की करीब 20 हजार गोलियां वेयरहाउस से संयुक्त जिला अस्पताल पहुंची थीं। इनमें से अधिकांश मरीजों को वितरित की जा चुकी हैं, जबकि बची हुई दवा का वितरण रोककर स्टॉक सुरक्षित कर लिया गया है। अब स्वास्थ्य विभाग संबंधित बैच की उपलब्धता और वितरण का रिकॉर्ड भी खंगाल रहा है। एहतियात के तौर पर जिला एमएमजी अस्पताल में भी दवाओं की गुणवत्ता की जांच शुरू कर दी गई है ताकि अन्य दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि यदि किसी दवा की गुणवत्ता को लेकर संदेह होता है तो उसे तुरंत उपयोग से हटा दिया जाता है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन वैश्य का कहना है कि मरीजों की सुरक्षा स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जांच में अधोमानक पाए जाने के बाद संबंधित बैच की दवा को तत्काल उपयोग से हटा दिया गया है।

उन्होंने बताया कि यह बैच गाजियाबाद के अलावा फतेहपुर, गौतमबुद्धनगर, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, जौनपुर और झांसी समेत कई अन्य जिलों में भी आपूर्ति किया गया था। अब सभी संबंधित जिलों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

जलभराव से परेशान उद्यमियों ने लापरवाही के आरोप लगाए

लोनी, यूटर्न/ 21 जुलाई । जलभराव से परेशान ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों ने यूपीसीडा अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने यूपीसीडा परियोजना अधिकारी से मिलकर सेक्टर डी 1 में हो रहे जलभराव की समस्या का समाधान कराए जाने की मांग की है।

ट्रीटमेंट प्लांट पर विद्युत निगम का करीब 4,95 करोड़ रुपये का बिल बकाया है। उद्यमियों का कहना है कि बिजली का बिल जमा न होने के चलते प्लांट का विद्युत कनेक्शन कटा हुआ है।

उद्यमी अरुण गुप्ता ने बताया कि सेक्टर डी-1 में करीब 40 डाईंग फैक्टरी संचालित हैं। इन डाईंग फैक्टरी से निकलने वाले केमिकल युक्त प्रदूषित पानी को फिल्टर करने के लिए छह एमएलडी एसटीपी प्लांट का संचालन किया जाता है। प्लांट के संचालन के लिए गठित एसपीवी द्वारा डाईंग फैक्टरी से करीब बीस लाख रुपये प्रतिमाह एकत्र किए जाते हैं।

भाई को छोड़ने मां संग गए मासूम की स्कूल बस ने छीन ली जिंदगी

» **लोनी, यूटर्न/ 21 जुलाई ।**

चार वर्षीय भाई को स्कूल बस तक छोड़ने गए तीन साल के प्रणव की एक लापरवाही ने जान ले ली। मां बड़े बेटे को बस में सीट पर बैठा रही थीं, तभी चालक ने बस आगे बढ़ा दी। बस का अगला पहिया प्रणव के ऊपर से गुजर गया। हादसे के बाद चालक बस छोड़कर फरार हो गया। घटना सोमवार सुबह ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र के नौरसपुर गांव की है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने बस चालक के खिलाफ लापरवाही के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

नौरसपुर निवासी डीजे संचालक पवन कुमार परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में पत्नी साक्षी व चार वर्षीय बेटे आरव के अलावा तीन वर्षीय प्रणव था। आरव बागपत के सुभानपुर स्थित एक निजी स्कूल में पढ़ता है।

साक्षी ने बताया कि सोमवार सुबह करीब आठ बजे वह घर के सामने खड़ी स्कूल बस में आरव को बैठाने गई थीं। इस दौरान छोटा बेटा प्रणव भी उनके साथ बस तक आ गया। वह आरव को सीट पर बैठा ही रही थीं कि चालक ने बिना इंतजार किए बस आगे बढ़ा दी। इससे बस का अगला पहिया प्रणव के ऊपर से गुजर गया। मासूम की चीख सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर दौड़े। लोगों की भीड़ जुटती देख चालक बस छोड़कर फरार हो गया।

अभिभावक को देनी होगी एक माह में ब्याज समेत फीस

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 21 जुलाई ।**

दीवानी अदालत ने कैंब्रिज स्कूल इंदिरापुरम के फीस वसूली के मुकदमे में अभिभावक पंकज शर्मा के खिलाफ एकपक्षीय फैसला सुनाते हुए 3 लाख 37 हजार 211 रुपये का भुगतान करने के आदेश दिए है।

अपर सिविल जज प्रवर खंड कोर्ट संख्या-10 के पीठासीन अधिकारी नमितेश गुप्ता ने आदेश दिया है कि यह राशि निर्णय की तिथि से एक माह के भीतर छह प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज सहित अदा की जाए।

अदालत के निर्णय के अनुसार प्रतिवादी के दो बच्चे कैम्ब्रिज स्कूल इंदिरापुरम में अध्ययनरत थे। विद्यालय प्रबंधन का कहना था कि सत्र 2018-19 और 2019-20 की बकाया फीस का भुगतान नहीं किया गया। बाद में सत्र 2020-21 की पूरी फीस भी बकाया रही। प्रबंधन ने दावा किया कि फीस जमा कराने के लिए कई बार एसएमएस, टेलीफोन, ईमेल, स्पीड पोस्ट और विधिक नोटिस के माध्यम से अभिभावक को सूचित किया गया, लेकिन भुगतान नहीं किया गया।

विद्यालय की प्रधानाचार्य हरदीप कौर ने साक्ष्य के रूप में विद्यालय के अभिलेख और बकाया शुल्क संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किए। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों को विश्वसनीय मानते हुए कहा कि विद्यालय दावा सिद्ध करने में सफल रहा है। न्यायालय ने प्रतिवादी को एक माह में छह प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज सहित भुगतान करने के आदेश दिए हैं।

कार में पी रहे थे शराब, विरोध किया तो तमंचे की बट मारकर फोड़ दिया दो भाइयों का सिर

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 21 जुलाई ।**

नंदग्राम थाना क्षेत्र के मरियम नगर इलाके में घर के बाहर कार में बैठकर शराब पी रहे युवकों का विरोध करना परिवार को महंगा पड़ गया। आरोप है कि कार सवारों ने परिवार के सदस्यों की पिटाई की। एक आरोपी ने दो भाइयों के सिर में तमंचे की बट मारकर सिर फोड़ दिया। मामले में पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मरियमनगर निवासी राहुल त्यागी ने बताया कि बृहस्पतिवार की रात को वह अपने घर के बाहर बैठे हुए थे। तभी एक स्कॉर्पियो और थार आकर रूकी। कार में बैठे करीब आठ लोग शराब पी रहे थे। तेज आवाज में उन्होंने गाना बजा रखा था। आपस में गाली गलौज कर रहे थे। इसका उन्होंने विरोध किया तो वह उनको भी गाली देने लगे। आरोपी उनसे हाथापाई पर उतारू हो गए। उन्होंने अपने भाई और परिवार के अन्य लोगों को फोन कर बुला लिया। इसी दौरान आरोपी हमलावर हो गए। आरोपियों ने उनके भाई संजीत और भानु के सिर में तमंचे की बट मारकर सिर फोड़ दिया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। किसी तरह विवाद शांत कराया गया। विवाद में उनके भाई की गले की चेन गायब हो गई। मामले में पुलिस ने नंदग्राम निवासी प्रिंस, यक्ष, श्रेयांश, सचिन, जमुना समेत आठ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसीपी जियाउद्दीन ने बताया कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

जॉन अब्राहम ने मुंबई के बांद्रा में खरीदा 84 करोड़ का बंगला

फिल्म अभिनेता जॉन अब्राहम अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपनी फिटनेस और सूझबूझ भरे बिजनेस इन्वेस्टमेंट के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने मुंबई के सबसे पॉश इलाकों में से एक बांद्रा वेस्ट के सेंट मार्टिन रोड पर 84 करोड़ रुपये का एक बेहद आलीशान बंगला खरीदा है। यह प्रॉपर्टी कुल 1017.60 वर्ग मीटर में फैली हुई है, जिसमें 193.12 वर्ग मीटर में बंगला और उसके पीछे 31.50 वर्ग मीटर का एक आउटहाउस बना हुआ है। दस्तावेजों के अनुसार, जॉन अब्राहम ने 14 जुलाई 2026 को इस नए घर का आधिकारिक रजिस्ट्रेशन कराया, जिसके लिए उन्होंने लगभग 5.04 करोड़ रुपये की स्टैंप ड्यूटी चुकाई है। इस नए बंगले में सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। जॉन अब्राहम का रियल एस्टेट में यह कोई पहला बड़ा निवेश नहीं है। इससे पहले उन्होंने दिसंबर 2023 में मुंबई के खार इलाके में 70.83 करोड़ रुपये की एक लग्जरी प्रॉपर्टी खरीदी थी। जॉन अब्राहम ने न केवल फिल्मों से बल्कि अपने स्मार्ट बिजनेस विजन के जरिए एक बड़ा साम्राज्य खड़ा किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्टर की कुल संपत्ति लगभग 251 करोड़ रुपये से अधिक है।

रिश्तों में दूरी आती है, तो प्यार की कीमत बढ़ जाती है

शहनाज गिल

अपनी आगामी पंजाबी फिल्म इश्कनामा को लेकर लोकप्रिय अभिनेत्री शहनाज गिल चर्चा में हैं। शहनाज ने फिल्म की रिलीज से पहले प्यार और रिश्तों की जटिलताओं पर अपने विचारों को खुलकर साझा किया। एक विशेष साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि जब दो लोगों के बीच भौगोलिक या भावनात्मक दूरी आती है, तो कई बार प्यार की अहमियत और अधिक बढ़ जाती है। यह दूरी सामने वाले की उपस्थिति की कमी शिद्दत से महसूस होने लगती है। हालांकि, दूरी के साथ ही रिश्तों में कुछ अनिश्चितताएं और शक भी पैदा हो सकते हैं, जो संबंधों की नींव को हिला सकते हैं।

फिल्म की पृष्ठभूमि 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा के आसपास स्थापित है, जो इसे एक ऐतिहासिक रोमांटिक ड्रामा बनाती है और प्रेम की सीमाओं को चुनौती देती है।

जब शहनाज से पूछा कि क्या दूरी प्यार को मजबूत बनाती है या धीरे-धीरे रिश्ते को कमजोर कर देती है, तो इस पर उन्होंने बड़ी बेबाकी से जवाब दिया, जब रिश्तों में दूरी आती है, तो प्यार की कीमत बढ़ जाती है। यह सच है कि दूरी अक्सर दिलों को और करीब ला देती है, क्योंकि इंसान को सामने वाले की अहमियत और अधिक महसूस होने लगती है। लेकिन हांड्ड यह भी सच है कि आपको यह नहीं पता होता कि दूसरा व्यक्ति आपकी अनुपस्थिति में क्या कर रहा है। इसलिए दूरी के साथ शक और अनिश्चितता भी बढ़ सकती है, जो रिश्ते के लिए एक चुनौती बन जाती है। शहनाज ने आगे कहा कि किसी भी रिश्ते में प्यार और भरोसा दो सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ होते हैं। दूरी कई बार रिश्ते की गहराई और मजबूती को समझने का एक अवसर देती है, लेकिन साथ ही यह भरोसे की एक कठिन परीक्षा भी बन सकती है, जिसे हर रिश्ते को पास करना होता है। फिल्म इश्कनामा एक सच्ची प्रेम कहानी पर आधारित है, जो निम्मा और नसीमा नामक वास्तविक जीवन के प्रेमी जोड़े के भावनात्मक सफर को दर्शाती है। फिल्म की पृष्ठभूमि 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा के आसपास स्थापित है, जो इसे एक ऐतिहासिक रोमांटिक ड्रामा बनाती है और प्रेम की सीमाओं को चुनौती देती है। इंटरव्यू में जब शहनाज से पूछा गया कि आज के दौर में, जब लोग डेटिंग ऐप्स और सोशल मीडिया के जरिए अपने लिए पार्टनर तलाश रहे हैं, क्या ऐसे समय में निम्मा और नसीमा जैसा शुद्ध और निस्वार्थ प्रेम संभव है, तो इस सवाल पर शहनाज ने दृढ़ता से कहा कि प्यार का तरीका और माध्यम समय के साथ बदल सकता है, लेकिन उसकी मूल भावना और गहराई हमेशा वही रहती है। उन्होंने स्पष्ट किया, मुझे लगता है कि चाहे प्यार का कोई भी स्वरूप हो या उसे व्यक्त करने का कोई भी तरीका, लेकिन अगर उसमें सच्चा प्रेम है, तो वह जीवन भर साथ रहता है और हर बाधा को पार कर जाता है। प्यार आज के जमाने का हो या पुराने समय का, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्यार को किसी एक दौर, माध्यम या तरीके से बांधा नहीं जा सकता, क्योंकि यह एक सार्वभौमिक भावना है। बता दें कि इश्कनामा का निर्देशन प्रतिभाशाली अरविंदर एस. खैरा ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण सौरभ राणा और रवनीत कौर चहल ने मिलकर किया है। यह फिल्म प्रसिद्ध किताब हिंद पाक बॉर्डरनामा से प्रेरित एक मार्मिक कहानी को पर्दे पर लाती है। फिल्म में जय रंधावा, शहनाज गिल और सौरभ सचदेवा के साथ कई अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

कॉमनवेल्थ गेम्स: सर्वाधिक पदक जीतने वाले 5 देश, चौथे नंबर पर है भारत

नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 जुलाई । कॉमनवेल्थ गेम्स की शुरूआत 1930 में हुई थी। हर चार साल के बाद इस खेल का आयोजन होता है। ये निरंतरता एक बार टूटी थी, जब 1938 के बाद ये खेल 12 साल के बाद 1950 में हुए थे। 1950 से हर 4 साल के बाद ये खेल आयोजित होते हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स के अब तक 22 संस्करण आयोजित हो चुके हैं। 23 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक कॉमनवेल्थ गेम्स का 23वां संस्करण स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित होना है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में 72 दल हिस्सा लेते हैं। इसमें 56 दल अलग-अलग राष्ट्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि 16 दल आश्रित क्षेत्र, अलग-अलग ब्रिटिश होम नेशंस (इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स और उत्तरी आयरलैंड) का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स ने हर संस्करण में भाग लिया है। ओलंपिक के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स एथलेटिक्स का दूसरा सबसे बड़ा वैश्विक मंच है। कॉमनवेल्थ की सफलता किसी भी राष्ट्र की खेल की ताकत को प्रदर्शित करता है। कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में पांच सबसे सफल देशों की बात करें तो पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया, दूसरे स्थान पर इंग्लैंड, तीसरे स्थान पर कनाडा, चौथे स्थान पर भारत और पांचवें स्थान पर न्यूजीलैंड है। ऑस्ट्रेलिया ने 1,001 स्वर्ण, 832 रजत और 763 कांस्य सहित कुल 2,596 पदक जीते हैं। इंग्लैंड ने 773 स्वर्ण, 783 रजत और 766 कांस्य सहित कुल 2,322 पदक जीते हैं। कनाडा ने 510 स्वर्ण, 548 रजत और 589 कांस्य के साथ कुल 1,647 पदक जीते हैं।

इंग्लैंड से हार के बाद शुभमन के निशाने पर आये कोच गंभीर और चयनकर्ता, बढ़ सकती हैं गंभीर से दूरियां

मुम्बई, यूटर्न/ 21 जुलाई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद जिस प्रकार से खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर नाराजगी जतायी है। उससे शुभमन ने एक प्रकार से चयनकताओं और कोच पर निशाना साधा है। उनका नाराजगी विशेष रूप से टीम चयन और खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर थी, जिसने भारतीय क्रिकेट में एक नई बहस शुरू हो गयी है। शुभमन का कहना है कि जब एक खिलाड़ी तीन मैचों की सीरीज भी पूरी नहीं खेल पा रहा है, तो ऐसे में आगामी एकदिवसीय विश्व कप के लिए टीम इंडिया की तैयारी कैसे हो पाएगी? ये बयान सीधे तौर पर चयनकताओं पर सवाल खड़े करता है कि उन्होंने पूरी तरह से फिट नहीं होने वाले खिलाड़ियों को किस प्रकार से शामिल किया है ? इस मामले में कोच गंभीर भी फंसे हुए हैं क्योंकि चयन प्रणाली में उनकी भी अहम भूमिका रहती है। टीम चयन में गंभीर की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है क्योंकि सभी जानते हैं कि उनकी पसंद के खिलाड़ियों को ही टीम में शामिल किया जाता है। यही कारण है कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ उनके मतभेद की खबरें आती रहती हैं। शुभमन को भी गंभीर की पसंद पर ही कप्तानी मिली थी पर इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में मिली हार के बाद शुभमन का बयान से साफ हैं कि वह गंभीर के फैसलों से सहमत नहीं हैं।

कुलदीप को अवसर नहीं मिलने का कारण शुभमन ने बताया

» **लंदन, यूटर्न/ 21 जुलाई ।**

भारतीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में एक भी मुकाबला खेलने का अवसर नहीं मिला। यहां तक कि लॉर्ड्स में खेले गए निर्णायक तीसरे एकदिवसीय में भी उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली जबकि मैच के दौरान स्पिनरों को काफी सहायता मिली। इसी को लेकर कप्तान शुभमन गिल ने सफाई दी है शुभमन ने कहा कि शुरूआती दोनों एकदिवसीय में पिच से स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं मिली। इसी कारण टीम प्रबंधन ने अतिरिक्त स्पिनर खिलाने की जगह पर तेज गेंदबाजों पर भरोसा जताया था। गिल ने कहा, पहले दो मैचों में हमने देखा कि पिच स्पिनरों के लिए ज्यादा सहायक नहीं थी। जब स्पिनर गेंदबाजी करते थे तो हमें रक्षात्मक फील्ड लगानी पड़ती थी, जबकि तेज गेंदबाजों के साथ विकेट मिलने की संभावना ज्यादा दिख रही थी। इसी कारण से कुलदीप को टीम में जगह नहीं मिली।

लॉर्ड्स में हुए मैच को लेकर शुभकन ने कहा कि मुकाबला आगे बढ़ने के साथ विकेट धीमा हो गया और बाद में स्पिन गेंदबाजी ज्यादा प्रभावी साबित हो सकती थी। उन्होंने अपनी गलती मानते हुए कहा, अब देखें तो लगता है कि स्पिनर बेहतर विकल्प हो सकता था। जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तब ऐसा नहीं लग रहा था कि विकेट इतना धीमा होगा, लेकिन दूसरी पारी में पिच काफी धीमी हो गई। भारत की यह रणनीति मैदान पर सफल नहीं रही। टीम के चारों तेज गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए और महत्वपूर्ण विकेट लेने में नाकाम रहे।कुलदीप ने अपना पिछला एकदिवसय जून में अफगानिस्तान के खिलाफ लखनऊ में खेला था, जिसमें उन्हें कोई विकेट नहीं मिला थ। कुलदीप यादव का इंग्लैंड में रिकॉर्ड काफी सम्मानजनक रहा है। उन्होंने यहां अब तक 10 वनडे मुकाबले खेले हैं, जिनमें 15 विकेट लिए हैं। भारतीय टीम अब भारत अब सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेलेगी और देखना होगा कि उसमें कुलदीप को अवसर मिलत है या नहीं।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

कनाडा से आयातित सामानों पर 50 फीसदी टैरिफ का ऐलान

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा कदम : भड़का नया ट्रेड वॉर

» **वाशिंगटन, यूटर्न/ 21 जुलाई**

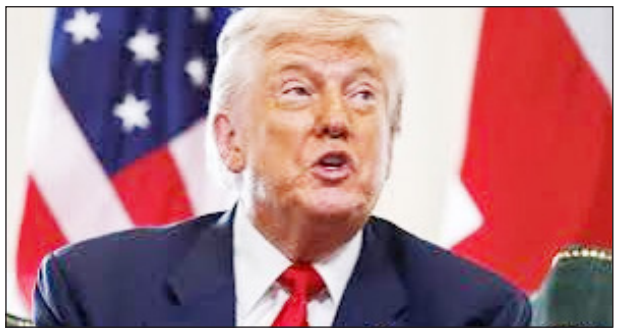

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर वैश्विक व्यापार युद्ध की चिंगारी भड़का दी है। ट्रंप ने सोमवार को पड़ोसी देश कनाडा से अमेरिका आने वाले अधिकांश सामानों पर 50 फीसदी का भारी टैरिफ (आयात शुल्क) लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी प्रशासन ने आरोप लगाया है कि कनाडा अमेरिकी ऑटोमोबाइल, शराब और डेयरी उत्पादों के साथ लगातार भेदभावपूर्ण व्यवहार कर रहा है। ट्रंप के इस फैसले से दोनों व्यापारिक साझेदार देशों के बीच आर्थिक और कूटनीतिक तनाव काफी गहराने की आशंका जताई जा रही है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ में बढ़ोतरी से जुड़े तीन अलग-अलग प्रस्तावों को अपनी मंजूरी दे दी है। इस फैसले को ट्रेड एक्ट ऑफ 1930 की धारा 338 के तहत तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चीन के अलावा कनाडा ही उन चुनिंदा देशों में शामिल था, जिसने ट्रंप द्वारा पहले लगाए गए टैरिफ का करारा जवाब देते हुए जवाबी शुल्क लगाया था। अमेरिकी प्रशासन का मानना है कि इस तरह के कड़े रवैये के लिए कनाडा की जवाबदेही तय की जानी जरूरी थी।

हालांकि, इस नए आदेश में अमेरिका ने अपनी जरूरतों का ध्यान रखते हुए कुछ अहम क्षेत्रों को राहत भी दी है। ऊर्जा उत्पाद, पोटाश, मछली और दुर्लभ खनिजों (रेयर अर्थ मिनरल्स) को इस 50 फीसदी टैरिफ के दायरे से बाहर रखा गया है। लेकिन यह भारी शुल्क उन कई उत्पादों पर भी लागू होगा, जिन्हें पहले यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट के तहत सीमा शुल्क से छूट मिली हुई थी। वर्ष 2020 में लागू हुआ यह ऐतिहासिक व्यापार समझौता हाल ही में खत्म हुआ था और इसे दोबारा शुरू करने पर बातचीत जारी है। अमेरिका और कनाडा की अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे पर काफी निर्भर हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस अचानक उठाए गए कदम से अमेरिकी बाजार में दैनिक उपभोग की वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिससे महंगाई पर दबाव बढ़ेगा। इसके अलावा, डेमोक्रेटिक सांसदों ने भी चेतावनी दी है कि एकतरफा टैरिफ लगाने से अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अस्थिरता आ सकती है। दूसरी तरफ, ट्रंप प्रशासन पीछे हटने के मूड में नहीं दिख रहा है और अधिकारियों को कनाडा पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं।

भारत के कड़े रुख के बाद पाकिस्तान ने अब कनाडा से मांगी मदद

इस्लामाबाद, यूटर्न/ 21 जुलाई । सिंधु जल संधि पर भारत द्वारा अपनाए गए सख्त रुख से परेशान पाकिस्तान ने अब इस मुद्दे पर कनाडा का दरवाजा खटखटाया है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इसहाक डार ने दो दिवसीय पाकिस्तान दौरे पर आईं कनाडाई विदेश मंत्री अनीता आनंद के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह मुद्दा उठाया। उन्होंने भारत के साथ निलंबित पड़ी सिंधु जल संधि को तुरंत बहाल कराने के लिए कनाडा से हस्तक्षेप और समर्थन की मांग की। डार ने आरोप लगाया कि भारत द्वारा इस संधि को स्थगित करने से क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति और अधिक संवेदनशील हो गई है, हालांकि इस मांग पर कनाडा की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व बैंक की मध्यस्थता से 19 सितंबर 1960 को सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे। नौ वर्षों की लंबी बातचीत के बाद अस्तित्व में आई इस संधि के तहत सिंधु घाटी की छह नदियों के जल का बंटवारा तय हुआ था। इसमें पूर्वी नदियों—रावी, ब्यास और सतलुज का नियंत्रण भारत को दिया गया, जबकि पश्चिमी नदियों—सिंधु, झेलम और चिनाब का जल मुख्य रूप से पाकिस्तान को आवंटित किया गया था। दशक से भी अधिक समय तक चली इस व्यवस्था पर भारत ने अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले के बाद कड़ा फैसला लिया था।

संक्षिप्त खबरें

मध्यस्थों ने अमेरिका और ईरान के सामने युद्धविराम का प्रस्ताव रखा

वाशिंगटन, यूटर्न/ 21 जुलाई । कतर, मिस्र, पाकिस्तान और क्षेत्र के अन्य मध्यस्थों ने अमेरिका और ईरान के सामने दस दिन के युद्धविराम का प्रस्ताव रखा है। एक्सियोस ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। सोमवार रात प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन इस प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है और उसने इजरायल से ऐसे कदम न उठाने को कहा है जिनसे कूटनीति की गुंजाइश खत्म हो सकती है। हालांकि, साथ ही अमेरिका बातचीत के विफल होने की आशंका को देखते हुए भी तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इसी बीच इजरायली सेना को हाई अलर्ट पर रखा गया है और वह कुछ ही दिनों में युद्ध के बड़े और समन्वित अभियान में बदलने की संभावना के लिए तैयारी कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार युद्धविराम के इस नए प्रस्ताव में लड़ाई रोकने, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही फिर से शुरू करने और अमेरिका एवं ईरान के लिए आपसी समझौते को बचाने का मौका देने की बात शामिल है।

एंडी बर्नहैम बने ब्रिटेन के 59वें प्रधानमंत्री

टोरंटो, यूटर्न/ 21 जुलाई । लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता एंडी बर्नहैम सोमवार को आधिकारिक तौर पर ब्रिटेन के 59वें प्रधानमंत्री बन गए हैं। बकिंघम पैलेस में किंग चार्ल्स तृतीय के साथ हुई एक निजी मुलाकात के दौरान उन्हें नई सरकार बनाने का औपचारिक न्यौता दिया गया। इससे पहले सर कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री पद से अपना इस्तीफा सम्राट को सौंप दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया। बकिंघम पैलेस द्वारा जारी बयान के अनुसार, बर्नहैम पिछले एक दशक में ब्रिटेन के सातवें प्रधानमंत्री बने हैं। स्टार्मर के पद छोड़ने के साथ ही ब्रिटेन में जीवित पूर्व प्रधानमंत्रियों की संख्या बढ़कर रिकॉर्ड नौ (जॉन मेजर, टोनी ब्लेयर, गॉर्डन ब्राउन, डेविड कैमरन, थेरेसा मे, बोरिस जॉनसन, लिज ट्रस, ऋषि सुनक और कीर स्टार्मर) हो गई है।

प्रधानमंत्री बनने के बाद बर्नहैम के सामने सबसे बड़ी शुरूआती विदेश नीति चुनौती अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ संबंधों को संतुलित करने की होगी। बर्नहैम लंबे समय से ट्रंप के मुखर आलोचक रहे हैं और उन्होंने अमेरिका की अत्यधिक ध्रुवीकृत राजनीति को ब्रिटेन में लाने के खिलाफ बार-बार चेतावनी दी है। वहीं दूसरी ओर, बर्नहैम के पद संभालने से ठीक पहले ट्रंप ने उन्हें बेहद उदारवादी करार दिया था।

रूसी हमलों से यूक्रेन के कई शहरों में तबाही, रिहायशी इमारतों और पार्क को बनाया निशाना : जेलेंस्की

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 जुलाई ।**

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने एक बार फिर यद्ध नियमों के खलिाफ जाकर बहुमंजिला रिहायशी इमारत को निशाना बनाया। रूस के हवाई हमलों में जापोरिज्जिया, खेरसोन और ओडेसा में कई लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, ''जापोरिज्जिया में रूसी हवाई हमलों के बाद बचाव अभियान जारी है। बदकिस्मती से हमले में दो लोगों की मौत हो गई है। मैं उनके परिवारों और अपने प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। कई लोग घायल भी हुए हैं।'' जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने एक सामान्य बहुमंजिला रिहायशी इमारत को निशाना बनाया। पहली से सातवीं मंजिल तक के फ्लैटों में आग लग गई है। मौके पर सभी जरूरी सेवाएं मौजूद हैं। बचाव दल और डॉक्टर लोगों की मदद के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मंगलवार को खेरसोन पर भी गाइडेड हवाई बमों और अलग-अलग तरह के ड्रोन, जिनमें एफपीवी ड्रोन भी शामिल हैं, से हमले किए। इसमें दो लोग घायल हुए हैं और दुख की बात है कि एक व्यक्ति की मौत हो गई। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि ओडेसा और उसके आसपास के इलाके भी हमलों का निशाना बने। रूस ने एक सामान्य सार्वजनिक पार्क पर मिसाइल हमला किया। शहर पर जेट ड्रोन से भी हमला किया गया। एक चार मंजिला रिहायशी इमारत और कई कारों को नुकसान पहुंचा। दो लोग घायल हुए हैं। वहीं, आसपास के क्षेत्र में तीन सामान्य रिहायशी घर भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। हमारे साझेदार देशों का यूक्रेन का समर्थन जारी रखना बहुत जरूरी है। यूरोपीय संघ के 21वें प्रतिबंध पैकेज को मंजूरी मिलनी चाहिए और हमारी रक्षा के लिए मदद भी जारी रहनी चाहिए। यह भी बेहद जरूरी है कि सेना और अधिकारियों के साथ जिन हथियारों और रूस का मुकाबला करने के लिए जरूरी उपकरणों पर हमने चर्चा की है, उन्हें निर्माता कंपनियां जितनी जल्दी हो सके उपलब्ध कराएं। लोगों की जान बचाने में जो भी मदद मिल सकती है, उसे बिना देरी के लागू किया जाना चाहिए।

अमेरिका में छात्र वीजा नियमों में बदलाव: हजारों छात्रों की डिग्री पर खतरा, नवाचार को भी नुकसान

» **वाशिंगटन, यूटर्न/ 21 जुलाई ।**

अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए एफ-1 और जे-1 वीजा नियमों में किए गए नए बदलावों पर चिंता जाहिर की है। एक भारतीय प्रवासी नीति समूह, फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने चेतावनी दी है कि चार साल की नई सीमा हजारों छात्रों को अपनी डिग्री या शोध पूरा करने से पहले ही अमेरिका से बाहर कर सकती है, जिससे देश के नवाचार और प्रतिस्पर्धा पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। एफआईआईडीएस ने अमेरिकी निर्वाचित प्रतिनिधियों और अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) से डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) के नए नियम को तत्काल लागू करने पर रोक लगाने की अपील की है। एफआईआईडीएस के अनुसार, यह नियम 16-17 जुलाई को अंतिम रूप दिया गया और सितंबर के मध्य से लागू होने वाला है। इसके तहत दशकों पुरानी ड्यूरेशन ऑफ स्टेटस नीति को समाप्त किया गया है। अब विदेशी छात्रों के लिए अमेरिका में अधिकतम चार साल तक रहने की सीमा तय की गई है, जिसमें ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) और एसटीईएम ओपीटी की अवधि भी शामिल होगी।

पूर्वी अफगानिस्तान में कुदरत का कहर: भीषण बाढ़ से 20 लोगों की मौत

100 से अधिक लापता लोगों की तलाश जारी

» **काबुल, यूटर्न/ 21 जुलाई ।**

भारतीय उपमहाद्वीप में इन दिनों भारी बारिश और बाढ़ का विकराल रूप देखने को मिल रहा है। भारत और चीन के कई हिस्सों में जनजीवन अस्त-व्यस्त होने के बीच अब पूर्वी अफगानिस्तान में आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। अफगान आपदा प्रबंधन अधिकारियों के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा में कम से कम 20 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 80 से अधिक लोग घायल हैं। इसके अलावा 100 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश में राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाए जा रहे हैं। ६ अफगानिस्तान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, प्राकृतिक आपदा का सबसे भयंकर प्रभाव पूर्वी प्रांत नूरिस्तान में पड़ा है। यहां पारून और आसपास के कई इलाकों में अचानक आई बाढ़ (फ्लैश फ्लड) ने भारी तबाही मचाई है। उफनती नदियों और पहाड़ों से आए पानी के तेज बहाव में सैकड़ों मकान ढह गए और बड़े पैमाने पर फसलें जलमग्न हो गईं। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों और वीडियो में मिट्टी के बने घरों को ताश के पत्तों की तरह ढहते और बेबस लोगों को सुरक्षित स्थानों की ओर भागते देखा जा सकता है।

मौसम की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने देश के 34 में से 10 प्रांतों के लिए अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में मूसलाधार बारिश, गरज-चमक के साथ तेज हवाओं, धूल भरी आंधी और अचानक बाढ़ आने की चेतावनी दी है। आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे नदियों के तटों और संभावित जोखिम वाले संवेदनशील क्षेत्रों से दूर रहें। अफगानिस्तान में दशकों पुराने संघर्ष, खस्ताहाल बुनियादी ढांचे, कमजोर अर्थव्यवस्था, अंधाधुंध जंगलों की कटाई और जलवायु परिवर्तन के असर ने इस तबाही को और अधिक बढ़ा दिया है। खासकर दूरदराज और ग्रामीण इलाकों में बने कच्चे मिट्टी के मकान बाढ़ के तेज थपेड़ों को सहने में पूरी तरह असमर्थ साबित होते हैं। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष की शुरूआत में भी देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 110 से अधिक लोगों की जान जा चुकी थी।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *